लघु उद्योग भारती

Registration No. RAJBIL/2016/69093
OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

UDYOG TIMES

Volume - 7 Issue - 11 September 2024
Total Pages - 28 Price - Rs. 10

Digital Footprints in Evaluating Creditworthiness of MSMEs- A Welcome Step

An Important Meeting of National Utpad Samuh was conducted in presence of LUB's Top Leadership and Co-ordinators at LUB's National HQ, New Delhi on 12th Sept. 2024.

LUB's Agra Unit and SIDBI jointly organised Udyog Vardhan Conclave to encourage MSMEs for Global Competition in presence of National Jt. General Secretary Shri Rakesh Garg at Agra on 4th Sept. 2024.

LUB's Odisha (Eastern Zone) State Unit Formed New Executive Committee in presence of Former National President Shri OP Mittal & State In-Charge Shri Saroj Sahoo at Bhubaneswar on 1st Sept. 2024.

LUB's Mandor Unit of Jodhpur Prant conducted a Training Program on Tie & Dye Printing for 200 students on 7th Sept. 2024. State General Secretary Smt. Manju Saraswat, Vice President Smt. Swati Sharma & Shri Ghanshyam Khatri of Unit were present.

LUB's Tamil Nadu Team had visited the CSIR Madras Complex Chennai to understand Various Facilities and Technologies Available for Transfer at SERC.

UDYOG TIMES

OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI

Volume -7 **Issue - 11** **September, 2024**

Editorial Board

■ **Patron**

Shri Ghanshyam Ojha, National President	098290-22896
Shri Prakash Chandra ji, National Org. Secretary	099299-93660
Shri Om Prakash Gupta, National Gen. Secretary	095602-55055

■ **Publisher**

Om Prakash Mittal, Past President	094140-51265

■ **Editor**

Dr. Kirti Kumar Jain	094141-90383

■ **Associate Editor**

Mahendra Kumar Khurana	098290-68865

■ **Co-Editor**

Dr. Sanjay Mishra	098295-58069

विवरणिका

Editorial	03-03
लघु उद्योग भारती एमएसएमई स्टार्टअप ..	04-06
वस्त्र नगरी में राजस्थान प्रदेश क्षेत्रीय सम्मेलन...	07-13
News Update	14-19
LUB's News in Brief ...	20-25

Price - 10/- ***Life Membership 1000/-***

An In-House Monthly Magazine of Laghu Udyog Bharati published by Om Prakash Mittal
Mail: opmittal10256@gmail.com Web : www.lubindia.com

Corporate Office & Head Office :
Plot No. 48, Deendayal Upadhyay Marg,
New Delhi-110002
Ph.: 011-23238582

Registered Office :
Plot No. 184, Shivaji Nagar, Nagpur-440011
Ph.: 0712-2533552

A Step Forward for MSMEs Credit Assessment

Editorial

Dr. Kirti Kumar Jain
kkjain383@gmail.com

The recent initiative taken by the government to develop an internal credit assessment system for the Micro, Small and Medium Sized Enterprises (MSME) sector is a progressive move compared to the traditional methods used so far. While this step is forward looking, it also requires scrutiny.

For years, MSMEs have been evaluated for credit based on turnover or asset ownership. This system has leaved a significant number of businesses that do not have any formal account records excluded from the financial system.

It is to see the consideration of digital footprints in evaluating creditworthiness. For small businesses who hardly have or are without formal accounting systems, this approach could offer a more comprehensive view of the entity's financial health.

However, it is not without certain valid concerns. While the system aims to streamline credit access, there is uncertainty about how well this new model will function in practice. These are enterprises who have long complained of financial burdens and limitations of third-party assessments, it is to see whether this revamped system will genuinely reduce the costs or lead to new complexities.

I would therefore like to tell our SME holders that they need to understand that this new assessment model is not a complete solution but only a step towards improving their financing. The government's efforts are commendable, but one needs to tread with caution. If this new credit assessment model fails to balance the financial needs of MSMEs, it risks becoming another layer of complexity, rather than the solution it promises to be.

The real test will be in its execution. And the coming months will tell us whether we profited or just buried ourselves in more paperwork.

I invite your opinion.

लघु उद्योग भारती एमएसएमई स्टार्टअप टी-20 संवाद-श्रृंखला

लघु उद्योग भारती ने एमएसएमई स्टार्टअप टी-20 नाम से संवाद श्रृंखला (पोडकास्ट) शुरू की है जिसमें उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। प्रथम एपिसोड में संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री ओमप्रकाश गुप्ता से विमर्श किया गया जिन्हें फूड प्रोसेसिंग और स्टील इंडस्ट्री का कार्यानुभव तो है ही, साथ ही टेक्सटाइल और आईटी इंडस्ट्री की भी गहरी समझ है। प्रस्तुत हैं बातचीत के मुख्य अंश-

मन की बात

अतीत अग्रवाल
संयोजक, मास कम्युनिकेशन आयाम
लघु उद्योग भारती

नमस्कार।

टी-20 संवाद श्रृंखला के प्रथम एपिसोड में आपका स्वागत है, एलयूबी के संगठन और विजन के बारे में बताएं।

-जी, धन्यवाद। लघु उद्योग भारती सूक्ष्म और लघु उद्यमों का संगठन है और 30 वर्षों पहले नागपुर और दिल्ली में अपनी स्थापना के बाद से आज ये राष्ट्रव्यापी संगठन बन गया है। बीते तीन दशकों में बेदाग संगठन के रूप में अपनी पहचान बनाई जो कि अधिकांश संगठनों में आपको ये देखने को नहीं मिलेगा। संगठन में लोकतांत्रिक पद्धति से हर दो वर्ष में शीर्ष पदों पर बहुत सहजता से निर्वाचन होता है।

आज 28 राज्यों के 578 जिलों में 981 इकाइयों के साथ 52000 मैन्युफैक्चरर्स सदस्य हैं और करीब 2000 सर्विस सेक्टर के लोग भी हैं। यही नहीं, 3500 की अच्छी संख्या में हमारी महिला उद्यमी भी अपना उद्योग संचालन कर रही हैं। उद्योगों के विषय में संगठन की समझ और क्षमता दोनों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। आज चाहे इंडस्ट्रियल क्लस्टर्स में जाएँ या नौकरशाही और सरकार के मंत्रालय की बात करें, सभी लघु उद्योग भारती के उल्लेखनीय कार्यों को मानते हैं और इसी स्वीकार्यता के कारण अल्प कालखंड में ही संगठन ने अपनी प्रतिष्ठा बनाई।

देश के अमृतकाल में विकसित भारत की संकल्पना की बात की जा रही है। उसके लिए लघु उद्योग भारती की क्या योजना है?

-देखिए, चार ट्रिलियन की यात्रा 75 वर्षों की है और अगले पांच वर्षों में 10 ट्रिलियन तक की सोच है हमारी। इससे स्पष्ट होता है कि इस कालखंड में कितनी संभावनाएं और अवसर हैं जिनका उपयोग करने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की कैपेसिटी बिल्डिंग का काम करना पड़ेगा और ये आसान नहीं है। ये केवल सरकार की योजना और प्रयास से संभव नहीं होगा। इसके लिए हर एंटरप्राइज को भी परिश्रम और प्रयास करना पड़ेगा, अपनी समझ बढ़ानी पड़ेगी। वास्तव में पहले कभी इतनी ज्यादा संभावनाएं भारत में आई

नहीं थी, इसलिए हमें अपने काम करने का ढंग और स्वरूप दोनों बदलने पड़ेंगे।

इस कार्य में निश्चित तौर पर संगठन की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, क्योंकि वहां से जुड़े हरेक उद्यमी और उसके उद्योग के बारे में सारी जानकारी मालूम होती है। उद्योग जगत में बहुत तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं, जब तक उद्यमी उसे समझने की कोशिश करता है, तब तक नया बदलाव आ जाता है। ऐसे में संगठन के माध्यम से उसे सारी जानकारी रहती है। संगठन का सोच है कि जब किसी अर्थव्यवस्था का आकार बड़ा होता है, तो उसका फायदा सिर्फ विदेशी कंपनियों या कुछ गिने-चुने कॉरपोरेट घरानों तक ही ना सीमित रह जाए। इक्विटेबल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ अपॉर्चुनिटी इज वेरी-वेरी इंपोर्टेंट।

एमएसएमई ग्रोइंग अपॉर्चुनिटी में अपना कंट्रीब्यूशन करे, उसका बेनिफिट ले, इसके लिए एलयूबी क्या पहल कर रही है?

- बीते दिनों संगठन ने एक इकोनॉमिक एक्शन ग्रुप बनाया, जिसके जरिए हम लोग अपने उद्यमियों को फ्यूचर रेडी रखने के लिए देश और दुनिया के बदलावों पर नजर रख रहे हैं और पहले जिन चीजों को फोकस नहीं कर पाए, उन सब चीजों को आइडेंटिफाई कर रहे हैं। हमने आठ ऑक्टेगनल सर्विसेज को चिन्हित किया है जो हर उद्यमी की जरूरत है जैसे फाइनेंस से जुड़ी इक्विटी हो या डेट (ऋण), उसको हम कैसे फाइनेंस सही कॉस्ट पर दिलाएं, इसी तरह से उसकी

मार्केटिंग, रॉ-मटेरियल, परचेज सभी पर फोकस होगा। अगर मार्केटिंग की बात करें, तो ओएनडीसी एक बड़ा प्लेटफार्म हो गया। लघु उद्योग भारती भी अपना एलयूबी मार्ट सेटअप करने वाला है जिसमें 52000 हमारे मेंबर्स उस पर ऑनलाइन सेल-परचेज कर पाएंगे। ये वैल्यू चेन इंटीग्रेशन का बहुत बड़ा कदम होगा। इसके साथ ही एक वर्चुअल सपोर्ट सिस्टम बना रहे हैं जिसमें कंप्लायंस को लेकर ऑनलाइन सपोर्ट मिलेगा।

इसी तरीके से हम उनकी कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट; चाहे वो लॉजिस्टिक्स में हो या क्वालिटी एश्योरेंस में हो, ऐसे ही स्किलिंग का काम भी करेंगे गवर्नमेंट के किसी भी लेवल पर। रिड्रेसल मैकेनिज्म ऐसा बिल्डअप करेंगे कि समय-समय पर पॉलिसी फ्रेमवर्क के समय भी इंटरवेंशन करें और रिड्रेसल मैकेनिज्म के हिसाब से भी सरकार में देखें। दरअसल लोगों की समस्याएं इतनी है कि खत्म होने का नाम नहीं लेती। इतने बड़े मुल्क के अंदर जो तंत्र बना हुआ है, यह बहुत बड़ा चैलेंज है, इससे डील करने के लिए संगठन के अलावा और कोई विकल्प भी तो नहीं।

आपने विकसित भारत और 10 ट्रिलियन इकोनॉमी की बात की, लेकिन उद्यमिता के साथ नई पीढ़ी, नए लोग.. युवा जब तक जुड़ेंगे नहीं, ये संभव कैसे होगा?

-निश्चित रूप से ये बहुत चैलेंजिंग जॉब है। हमारा युवा बहुत क्षमतावान है, वैश्विक स्तर पर उसको एक्सपोजर मिल रहा है। आज तकनीक और डिजिटल मीडियम से हरेक चीज के बारे में हमें पता है। अमेरिका में अगर पहले कभी कुछ नया होता था, तो 10 साल तक भी नहीं पता चलता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

संगठन का प्रयास है कि युवा उद्यमी बनें और कार्यक्षेत्र और संगठन दोनों में नेतृत्व करे। हम संगठन की कार्यकारिणी में औसत आयु को निरंतर 2 वर्ष कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं। आप समझ सकते हैं कि कितनी गहराई तक संगठन का सोच है। हमारे सदस्यों की नेक्स्ट जेनेरेशन को भी बिजनेस से जोड़ रहे हैं। युवा 30-40 वर्ष की आयु के अच्छे परसेंटेज के साथ जुड़ रहे हैं। हमने महिला इकाई पर फोकस जब किया, जो बहुत कामयाब रहा। आज संगठन में महिला इकाइयां बहुत ही बढ़िया काम कर रही हैं। बड़े-बड़े प्रोग्राम वे कर रही हैं, बहुत आश्चर्य होता है।

लघु उद्योगों के लिए तकनीक और नवाचार कितने जरूरी हैं और लघु उद्यमियों को टेक्नो-फ्रेंडली बनाने के लिए संगठन ने क्या काम किया है?

-मेरे सबसे करीब जो चीज है, वो है टेक्नोलॉजी। मुझे ऐसा लगता है कि इतनी तेजी से बदलते हुए परिवेश में टेक्नोलॉजी सबसे बड़ा इनेबलर है। अगर आपको इकोनॉमिकली बढ़ना है, तो आप टेक्नोलॉजी को एंब्रेस किए बगैर बढ़ नहीं सकते। इतनी स्पीड से चीजें इररेलेवेंट हो जाती है, अगर आपने समय के साथ इस पर फोकस नहीं किया।

पिछले दिनों हमने एक इनिशिएटिव लिया सीएसआईआर, जो सरकारी उपक्रम है, 38 लैब हैं उनकी। एक-एक लैब 100-200 एकड़ में फैली हुई है हरेक में सौ-दो सौ साइंटिस्ट हैं उनकी जो उपलब्धियां हैं वो बहुत कमाल की है। आप जानते ही हो, भारत का वैज्ञानिक तो वैसे भी माना जाता है कि कम खर्चे में बड़ा काम करने वाला है आपने देखा ही है कि गगनयान, चंद्रयान, मंगलयान... लोग बोलते हैं हॉलीवुड की मूवी के बराबर के बजट के अंदर यह सब चीजें आपको यहां पर मिल जाती हैं और वो काम कर देते हैं जो कहीं पर नहीं कर सकते। मजाक में कई बार ये कहा जाता है कि हमारा सेटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल 104 सैटेलाइट को ऑर्बिट में छोड़ता है, जैसे लोकल बस पैसेंजर को छोड़ रही हो।

हमने सीएससीआर से कहा कि आपके पास इतने साइंटिस्ट हैं, टेक्नोलॉजी है लेकिन ये किसी को मिलती नहीं। और स्माल स्केल का व्यक्ति तो आरएनडी कर नहीं सकता। तो उन्होंने इस बारे में गंभीरता से सोचा। हमने उनको एक कमिटमेंट दिया कि हम 100 दिनों में 100 टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करेंगे और आप देखिए कि 250 लोगों को अलग-अलग लैब में विजिट करवा चुके और हमने लक्ष्य लिया कि 500 मेंबर्स इन लैब्स में जाएंगे, और वहां से टेक्नोलॉजी लेंगे। अभी तक 31 टेक्नोलॉजी हम लोग साइन कर चुके हैं 60 लोगों का मेंडेट आया हुआ है।

मैं समझता हूं हर उद्यमी जिसने यह टेक्नोलॉजी ली है, वही भारत को विकसित बनने में योगदान करेगा। लघु उद्योग भारती टेक्नोलॉजी ट्रांसफर में पूरे भारत में सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल ऑर्गेनाइजेशन बनेगा। लोगों का उत्साह नजर आ रहा है। हमने सीएसआईआर से बात की। उसके बाद आईआईटी रुड़की और देश के कई इनक्यूबेशन सेंटर के साथ टच-अप कर रहे हैं। बहुत सारी यूनिवर्सिटीज हमारे साथ टाईअप करना चाहती हैं। ये सब तभी होता है, जब आप आगे बढ़ते हैं।

दुनिया की बड़ी कंपनियां अपना आरएनडी सेंटर इंडिया में खोलती है, लेकिन इसका फायदा भारत की एमएसएमई को नहीं मिल पाता।

-बिलकुल सही। सीएसआईआर आज लघु उद्योग भारती के उद्यमियों का बैकयार्ड बन गया यानी वहां के दरवाजे हमारे उद्यमियों के लिए खोल दिए गए हैं जहां वैज्ञानिक उन्हें न केवल प्रोत्साहित कर रहे हैं, बल्कि अपनी टेक्नोलॉजी भी ट्रांसफर कर रहे हैं जिससे हमारे उद्यमी तरक्की कर सकें। अभी तकनीक की बात हो रही है, तो मैं आपको बताना चाहूंगा कि चंद्रयान में लघु उद्योग भारती के सदस्यों के बनाए हुए भी कुछ पार्ट लगे थे और ये तो तब की बात है, जब हमारा टाईअप भी नहीं था सीएसआईआर के साथ।

सीएसआईआर से जुड़ने से संगठन और लघु उद्यमियों को क्या लाभ मिला?

-सीएसआईआर की ताकत मैंने आपको बताई रिसोर्सेज,

टेक्नोलॉजी और इनोवेशन। ये अब सीधे संगठन और सदस्यों की पहुँच में है। आज वैज्ञानिक खुद आगे बढ़कर पूछ रहे हैं कि आपकी समस्या क्या है? ये बड़ा बदलाव है। और अब आगे खुला आकाश है, आगे बढ़ने का जज्बा चाहिए, इसकी कोई सीमा नहीं। एक छोटा-सा उदाहरण है कि आपने कभी सोचा था कि कमल के फूल की जड़ या जिसको कमल ककड़ी बोलते हैं उससे फैब्रिक बनता होगा! हमारे एक सदस्य ने लोटस स्टेम से फैब्रिक बनाने की टेक्नोलॉजी ली है, तो दूसरे ने लोटस स्टेम से चाय बनाने की। वहीं लोटस स्टेम से परफ्यूम बनाने की भी तकनीक ली एक और सदस्य ने। लोटस स्टेम से वाइन भी बनती है। ये सब बातें तभी मालूम हुईं, जब हमारे मेंबर्स लैब्स तक पहुंचे। हमने अभी तक 200 टेक्नोलॉजी देखी हैं जो यूनिक हैं और हमारे उद्यमियों के लिए बहुत बड़ा आधार बन सकती हैं। हमारे पांच सदस्य ड्रोन टेक्नोलॉजी के लिए भी बातचीत कर रहे हैं, ये बहुत बड़ा अवसर मिला है।

संगठन के तौर पर लघु उद्योग भारती की सफलता को आप किस तरह आंकते हैं?

किसी भी संगठन की सफलता या विफलता का मूल्यांकन इसी बात से हो सकता है कि संगठन अपने असल उद्देश्यों और लक्ष्यों को कितना प्राप्त कर सका है या नहीं। जहां तक एलयूबी की बात है, आज इसकी नेटवर्किंग के कारण देशभर में सक्रियता और उद्योग हितैषी कार्यक्रमों की सतत रचना, विश्वसनीयता, राज्य और केंद्र दोनों स्तर की सरकारों की पॉलिसी निर्माण में सहभागिता, उद्योगों की समस्याओं के निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका के कारण संगठन पूरे अर्थों में सफल है। संगठन में हम सब लोग मिलकर काम करते हैं, अच्छी बात ये है कि यहाँ कोई श्रेय की लड़ाई नहीं।

संस्था बहुत बड़ी हो गई है, तो बहुत बार सारी उपलब्धियां सब तक नहीं पहुंच पाती होंगी। तो संगठन के उपक्रमों के लिए उन सभी सदस्यों की भूमिका क्या होगी?

लघु उद्योग भारती के आज इतने उपक्रम हो गए हैं और उसके लिए हमारे पास नेशनल और स्टेट कार्यकारिणी के बाद संभाग और जिले स्तर की इकाई है, तो 3 हजार से ज्यादा पदाधिकारी हैं और अगर ये महीने भर में केवल 10 घंटे ही संगठन को दें, तो महीने में 30000 मेन आवर्स संगठन को मिल गए और ये सभी डायरेक्टर लेवल की क्षमता वाले व्यक्ति हैं और वो भी निष्काम भाव से काम करने वाले, तो उनके बराबर दूसरा संगठन पूरे विश्व में कहां पर मिलेगा आपको! इनके कीमती समय को हमारे सदस्यों की समस्याओं का निपटारा करने में लगाएंगे जिससे वे आगे बढ़ सकें। हम पूरे देश का जो डाटा इंटीग्रेशन कर रहे हैं उसमें हरेक उद्यमी का डाटा कंपाइल करके विश्लेषण कर रहे हैं कि हमें कहां पर और क्या सपोर्ट देना है।

इसके लिए हमने 24 उत्पाद समूह बना रखे हैं इनकी संख्या बढ़ती जाएगी। इनमें फूड एंड एग्रो, प्लास्टिक, स्टील ग्रुप आदि अन्य समूहों की समस्याएं भी अलग हैं। उत्पाद समूह की आठ चीजों पर हम फोकस कर रहे हैं जिसमें क्वालिटी, रॉ-मटेरियल, बिजनेस डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजी, स्किल, सस्टेनेबिलिटी, पॉलिसी और डाटा है। उसका पूरा डॉक्यूमेंटेशन करना है।

ऐसे ही वाटर, पावर, लेबर, एक्सपोर्ट-इंपोर्ट और टैक्सेशन आदि अलग-अलग आयाम भी हमने बना रखे हैं, जिनके लिए हमारे नेटवर्क से जुड़े सभी उद्यमी ग्राउंड रियलिटी को समझते हुए इनपुट देते हैं। तो हम लोगों की इंटरवेंशन को सरकार सीरियसली लेती ही है। उसके अलावा नेट जीरो एमिशन, इंडस्ट्री वर्जन 4.2 पर आयाम बना रखा है, नॉलेज बैंक इनिशिएटिव में यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स, इंडस्ट्री लीडर्स, स्टूडेंट्स, स्टार्टअप्स के लिए प्लेटफार्म क्रिएट कर रहे हैं रीस्किलिंग, अप-स्किलिंग के बारे में जानने के लिए अप्रेंटिसशिप एक्ट के बारे में सब लोगों को समझा रहे हैं। तो चाहे वो स्किल हो, या टेक्नोलॉजी या बैंकिंग, हर वो चीज जिससे आपकी कैपेसिटी बिल्डिंग करके आपको एनवायरमेंट के अंदर एक एज मिले, उस काम में हमारे पदाधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे।

जहां तक समस्याओं की बात है, हम लोग हर प्लेटफार्म पर स्टडी कर चीजों को उठा रहे हैं। सारी बातें हमारी नहीं मानी जाती, पर मैंने यह देखा है कि संगठन की बातों को गंभीरता से लिया जाता है। प्री-बजट कंसल्टेशन कमेटी, ईएसआईसी, पीएफ बोर्ड, बोर्ड ऑफ ट्रेड मीटिंग, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मीटिंग सभी जगह संगठन को आमंत्रित किया जाता है। इसके साथ अन्य एसोसिएशन के साथ भी मिलकर काम कर रहे हैं।

हमारे ऑनलाइन दर्शक गोयल जी पूछना चाह रहे हैं कि एमएसएमई में कोई एक चीज बताइए जिसमें ग्रो करने के लिए फोकस करने की जरूरत है।

-आरएनडी टेक्नोलॉजी इनोवेशन... तो निश्चित रूप से सबसे आगे रखना ही पड़ेगा हमें। क्योंकि इसकी वजह से हमारी क्वालिटी इंप्रूव होती है, नए प्रोडक्ट हम बना पाते हैं और उसे कहीं ना कहीं पर नए मार्केट्स तक ले पाते हैं।

राजेश अरोरा जी भी पूछ रहे हैं कि ग्रामीण बेल्ट पर बहुत स्कोप है स्टार्टअप के लिए, एक्सपर्ट की गाइडेंस मिले तो। इस पर आपकी क्या राय है?

बहुत जरूरी है। सिर्फ ग्रामीण परिपेक्ष की बात नहीं कर रहे, हमारे यहां पर जिस तरीके से इतने लोग पढ़-लिखकर आते हैं और अचानक नौकरी की तलाश में चले जाते हैं। नया एंटरप्रेन्योर तो किसी भी बैकग्राउंड से आए, एक जनरेशन पहले ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े हुए हम सभी लोग थे। आज के युग में तो इंफॉर्मेशन सबको उपलब्ध है। सिर्फ प्रयासरत होना पड़ेगा। लघु उद्योग भारती के इकोनॉमिक एक्शन ग्रुप ने इस पर पूरा फोकस कर रखा है कि कैसे ग्रामीण क्षेत्र से विकास हो और नए एंटरप्रिन्योर वहां से निकल कर आएं।

आज आपसे कई विषयों पर मार्गदर्शन मिला। इसके लिए आपका साधुवाद। हमारे सभी दर्शक लघु उद्योग भारती से जुड़ें और अपना स्वयं का और देश का विकास करें। □□□

वस्त्र नगरी में राजस्थान प्रदेश क्षेत्रीय सम्मेलन-2024 आयोजित

सरकार एवं उद्यमियों का सहज, सार्थक एवं सफल संवाद

संगठन नेतृत्व से मिला मार्गदर्शन, दायित्व-बोध और नव-ऊर्जा

साक्षात

डॉ. संजय मिश्र

सह–सम्पादक, उद्योग टाइम्स

dr.sanjay.jpr@gmail.com

'उद्योग–हित राष्ट्र–हित' के श्रेष्ठ ध्येय के साथ देश के सूक्ष्म और लघु उद्योगों के संरक्षण, संवर्धन और कल्याण के लिए समर्पित अखिल भारतीय संगठन लघु उद्योग भारती के राजस्थान प्रदेश क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन प्रदेश की वस्त्र नगरी के नाम से विख्यात भीलवाड़ा में 21 सितम्बर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रथम-सत्र

नगर परिषद न्यास भवन के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा, प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ और प्रदेश महासचिव श्री योगेंद्र कुमार शर्मा ने दीप प्रज्जवलन किया। महिला इकाई सदस्य श्रीमती स्नेहलता मेलाना, श्रीमती सुमित्रा हुरकट, श्रीमती आशा सोमानी एवं श्रीमती चंदा मूंदड़ा ने समवेत स्वर में संगठन मंत्र का पाठ किया। चित्तौड़ प्रांत का प्रतिवेदन अध्यक्ष श्री पवन गोयल, जयपुर प्रांत का अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार गर्ग और जोधपुर प्रांत का प्रतिवेदन अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा ने प्रस्तुत किया।

अनुशासन से ही बड़े लक्ष्य हासिल होंगे- योगेंद्र कुमार

राजस्थान प्रदेश का संयुक्त प्रतिवेदन महासचिव श्री योगेंद्र कुमार शर्मा ने साझा किया। इस अवसर पर उन्होंने संगठन की रीति–नीति, कार्य प्रणाली और सदस्य संख्या के विस्तार के बारे में मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि संगठन चाहे कोई भी हो, व्यक्तिगत संपर्क का कोई विकल्प नहीं। उन्होंने सांगठनिक और उद्यमी सम्मेलनों के माध्यम से कार्य विस्तार के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने आह्वान किया कि इन सभी कार्यक्रमों में युवा सदस्यों को प्राथमिकता से जोड़े और उन्हें दायित्ववान बनाएं। ये कार्यक्रम ही उन्हें कार्यकर्ता बनाने का सेतु हैं।

खुले सत्रों में स्थानीय औद्योगिक समस्याओं का समाधान संभव- बालड़

प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ ने संगठन की ओर से

प्रदेशभर की औद्योगिक समस्याओं के समाधान के लिए किये गए प्रयासों और परिणामों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन अधिवेशनों के खुले सत्रों में स्थानीय औद्योगिक समस्याओं का समाधान हो पाता है। श्री बालड़ ने जानकारी दी कि वर्ष 2026 में जयपुर में आयोजित विश्व स्तरीय स्टोन मार्ट प्रदर्शनी के बेहतर प्रबंधन के लिए संगठन से तीन सदस्य इटली जायेंगे जहाँ आयोजित प्रतिष्ठित वार्षिक प्रदर्शनी में लघु उद्योग भारती की स्टॉल के माध्यम से विदेशी कंपनियों को आमंत्रित करेंगे।

सूचना तंत्र को बनायें बेहतर- ओझा

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने कहा कि बदलती परिस्थितियों में संगठन के बढ़ते आकार, सदस्यों की संख्या के कारण कार्यक्रमों की रचना भी बदलती गई। इसमें नवाचारों के माध्यम से प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सूचना तंत्र को मजबूत करने की जरूरत है। डिजिटल दौर में हम सब कनेक्ट करें। इससे संगठन के विस्तार में सहयोग मिलेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह और संगठन के पालक अधिकारी श्री कृष्णगोपाल जी ने श्रमिकों की सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य, शिक्षा, और विशेषकर महिला श्रमिकों की स्थिति को गंभीरता से देखने की आवश्यकता पर बल दिया। और इसके लिए सर्वेक्षण को उपयोगी बताया।

श्री ओझा ने बताया कि संगठन ने सेक्टर वाइज आयाम समूहों की रचना की है जिन्हें राज्य, अंचल और स्थानीय स्तर पर अमलीजामा पहनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि 21000 एचएसएन के लिए 98 उत्पाद समूह बनेंगे। टेक्सटाइल, माइनिंग, मिनरल उत्पाद समूहों को मजबूत करने की जरूरत है। प्रत्येक सेक्टर में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सिख सभी को समायोजित करें। सिंगल यूज़ प्लास्टिक और धरती पर उपलब्ध कुल चार प्रतिशत पेयजल का बहुत ही सहेजकर उपयोग करने के बारे में महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में हमें अपनी सक्रियता से कार्यों को अंजाम देना होगा।

परिवेश बदलने के लिए गुणात्मक वृद्धि जरूरी- प्रकाश चंद्र

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन से उपस्थित उद्यमियों में प्रखर राष्ट्र-प्रेम का भाव जागृत किया। उन्होंने तीन दशक पहले के उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के दौर को याद किया जब दिल्ली और गुजरात में संगठन की स्थापना के विचार पर कार्य शुरू हुआ। उन्होंने बताया कि उस समय उपभोक्ताओं तक उत्पादों को पहुँचाने का कंपनियों ने काम शुरू कर दिया था। 'आज बरसों बाद जब संघ के अनुषांगिक संगठनों में तुलनात्मक रूप से जब कार्य विस्तार की दृष्टि से देखा जाता है, तो निश्चित रूप से संतोष होता है। इस सब के पीछे का आधार है कार्यकर्ता। उनके समर्पण से ही संगठन वर्तमान में इस स्तर पर पहुंचा है। परिवेश बदलने के लिए गुणात्मक वृद्धि जरूरी है, हालांकि संख्यात्मक महत्व तो है ही, इसका प्रत्यक्ष संदेश जाता है। संगठन को व्यापक आधार देने के लिए समय नियोजन और इसके लिए योग्य कार्यकर्ताओं को तैयार करना आवश्यक है।

समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर होना चाहिए और इसके लिए केंद्र और राज्य से जुड़े सभी विषयों का गहरा अध्ययन भी जरूरी है। वर्तमान में बेरोजगारी निरंतर बढ़ रही है क्योंकि देश की नई पीढ़ी सरकार से नौकरी मांगती है, जबकि नौकरियां बहुत सीमित हैं इसलिए समाज में जॉब सीकर की बजाय जॉब प्रोवाइडर बनने की भावना को विकसित करें, जिससे वे उद्यमी बनने के मार्ग पर अग्रसर हो सकें। उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता पहले से अधिक बढ़ी तो है, लेकिन उन्हें और प्रोत्साहित करें।

विमर्श से ही विकास होता है। टीम वर्क के समन्वित रूप से जो स्वरूप बना है उससे समस्या समाधान हो पाता है। नैतिकता का बल बनाये रखते हुए सादगीपूर्ण कार्यक्रम करें जिससे आर्थिक निर्भरता किसी पर भी नहीं हो। अच्छे लोगों का अनुपात बढ़ने से ही राष्ट्र में अपेक्षित बदलाव आएगा। इसके लिए स्वयं से शुरुआत करनी होगी। तीन दशकों से समाज के मध्य कार्य करने के बाद संगठन की छवि मिशन वालों की है, कमीशन वालों की नहीं।'

परिवार इकाई, परंपरा, कुटुंब प्रबोधन और स्व का बोध पर भी उन्होंने पाथेय प्रदान किया।

द्वितीय सत्र

उदयपुर इकाई के अध्यक्ष श्री मनोज जोशी ने उद्योग नवाचार पर अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि लोक नियोजन के माध्यम से संगठन को सुदृढ़ और गतिशील बनाया जा

सकता है। उन्होंने इकाई के अभिनव कार्यक्रम 'उद्योग दर्शन' के बारे में विस्तार से चर्चा की। इसके माध्यम से हरेक सप्ताह इकाई सदस्य किसी भी औद्योगिक इकाई का भ्रमण करते हैं और वहां के उत्पाद निर्माण की पूरी प्रक्रिया का अवलोकन करते हैं।

जिला उद्योग प्रबंधक श्री केके मीना ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट, वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के साथ सरकार की एमएसएमई को बढ़ावा देने वाली कई योजनाओं की जानकारी साझा की।

तृतीय सत्र (उद्यमी सम्मेलन)

प्रदेश की उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग राज्य मंत्री श्री केके बिश्नोई, पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाश चंद्र जी और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने भगवान विश्वकर्मा और भारत माता के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उद्यमी सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया।

भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क हेतु आधारभूत सुविधाएं हों विकसित- जाजू

लघु उद्योग भारती के चित्तौड़ प्रांत उपाध्यक्ष श्री रविन्द्र कुमार जाजू ने स्वागत उद्बोधन में राजस्थान सरकार की बजट घोषणाओं का स्वागत किया जिसमें निवेश के जरिए औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने पर बल दिया गया है। उन्होंने भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क हेतु चिन्हित भूमि के साथ आधारभूत सुविधाएं भी जुटाने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र विकसित होने में 5 वर्ष का जेस्टेशन पीरियड होता है अत: रीको को नए औद्योगिक क्षेत्र की भूमि की तलाश एक एरिया यूनिट लगने के साथ-साथ कर देनी चाहिए जिससे औद्योगिक विकास सतत चलता रहे।

श्री जाजू ने जानकारी दी कि वर्तमान में जिला उद्योग केंद्र द्वारा आवंटित भूमि को किराए पर देने, उत्पाद परिवर्तन करने और सब-डिवीजन करने पर प्रतिबंध है या नियम जटिल हैं, अत: DIC में भी भूमि आवंटन के बाद रीको के नियम लागू होने चाहिए।

उन्होंने प्रदेश सरकार का ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट किया कि सरकारी सप्लाई विशेष कर स्कूल ड्रेस की निविदा की शर्तें केंद्र की विकेंद्रीकरण की नीति के अनुरूप नहीं है। इससे एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन नहीं मिल रहा। वर्तमान में शिक्षा विभाग द्वारा आमंत्रित निविदा में 100 करोड़ के टर्नओवर व कंपोजिट यूनिट द्वारा ही सप्लाई की शर्तें देश के चुनिंदा औद्योगिक घरानों को लाभ देने की मंशा से लागू की गईं प्रतीत होती है क्योंकि इससे वे सैकड़ों उद्यमी इस निविदा में भाग लेने से वंचित रह जायेंगे, जो कम लागत में बहुत अच्छा कपड़ा बनाते हैं। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र के लिए जल की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने पर जोर दिया जिससे ट्रीटेड वॉटर पुन: काम आ सके।

श्री जाजू ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत हजारों श्रमिकों के लिए चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की जरूरत भी है। उन्होंने सुगम, सतत और निर्बाधित यातायात हेतु अंडरपास के निर्माण को जरूरी बताया।

इस अवसर पर एलयूबी करेड़ा इकाई अध्यक्ष श्री सुखलाल गुर्जर ने क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिए उपमुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री और वन एवं पर्यावरण मंत्री के समक्ष महत्वपूर्ण मांगे रखी।

(1) भगवानपुरा-देवगढ़ हाईवे डीपीआर में ग्रेनाइट वेस्ट का 40 प्रतिशत उपयोग अनिवार्य करने का प्रावधान किया जाए, जिस प्रकार से राजसमंद हाईवे के निर्माण में किया गया था।

(2) खान व्यवसाय को उद्योग का दर्जा मिले।

(3) स्टोन कटिंग और पॉलिशिंग इकाई से निकले वेस्ट के लिए करेड़ा तहसील में डंपिंग यार्ड बनाया जाये।

(4) इनलैंड कंटेनर डिपो में आवश्यक स्टाफ की व्यवस्था की जाये जिससे एक्सपोर्ट को सुगम बनाया जा सके।

(5) करेड़ा खनन क्षेत्र को सहाड़ा की बजाय भीलवाड़ा खनन कार्यालय के अंतर्गत ही रखा जाये।

(6) DMFT फंड का सर्वप्रथम उपयोग खनन क्षेत्र के विकास पर हो।

राज्य को वैश्विक औद्योगिक हब बनाने के लिए सरकार प्रयासरत- दिया कुमारी

प्रदेश की उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में पूरी टीम विकसित राजस्थान के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है। और जिस गति से राज्य सरकार कार्य कर रही है, वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान न केवल देश, बल्कि पूरी दुनिया के लिए ग्लोबल इंडस्ट्रियल हब बनेगा। उन्होंने कहा कि सरकार प्रयास कर रही है कि राज्य में ज्यादा से ज्यादा निवेश आए और विशेषकर भीलवाड़ा में क्योंकि भीलवाड़ा टेक्सटाइल हब है। उन्होंने कहा कि इस बार बजट में भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क की भी घोषणा हुई है।

उपमुख्यमंत्री ने राजस्थान में आयोजित हो रही ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में उद्यमियों को ज्यादा से ज्यादा निवेश लाने में सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म एवं लघु औद्योगिक इकाईयों में महिलाएं जुड़ी होती हैं। इन औद्योगिक इकाइयों के विकास से महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनेंगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बन रहा है। सरकार की मंशा है कि दुनिया के नक्शे पर राजस्थान प्रमुखता से अंकित हो और यहां रोजगार के प्रचुर अवसरों का सृजन हो। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त राजस्थान के लिए लघु उद्योग भारती ने एमएसएमई को मजबूत करने का निरंतर काम किया, फिर चाहे कैसा भी समय क्यों न रहा हो।

आरसीएम समूह के श्री तिलोक चंद्र छाबड़ा ने कहा कि ये भीलवाड़ा की उद्यमशीलता का ही असर है कि जिससे दुनियाभर में इसने अपना नाम दर्ज करा दिया है। ओस्तवाल समूह के प्रसिद्ध उद्यमी श्री पंकज ओस्तवाल ने सरकार से उम्मीद जताई कि सकारात्मक रणनीति के साथ औद्योगिक नीतियों का निर्धारण और क्रियान्वयन किया जाये, जिससे उद्योगों को सशक्त किया जा सके।

उद्योगों की समस्याओं का निदान सरकारी विभाग डेडलाइन में करें- शांतिलाल बालड़

लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष श्री शांतिलाल बालड़ ने प्रदेश की औद्योगिक समस्याओं के समुचित निदान के लिए अविलंब कार्रवाही करने की मांग की। उन्होंने पुरजोर शब्दों में कहा कि सरकार अगर प्रदेश को मैन्युफैक्चरिंग हैब बनाने के लिए गंभीर है, तो उद्योगों को भी प्राथमिकता पर लेना होगा। उन्होंने कहा कि उद्योगों की समस्याओं के हल के लिए आखिर सरकारी विभागों की कोई समय-सीमा तो निर्धारित होनी ही चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने सिलसिलेवार प्रदेश की औद्योगिक समस्याओं पर सरकार का प्रभावी ढंग से ध्यान आकृष्ट किया।

-पीएलआई स्कीम का लाभ एमएसएमई को भी दिया जाये।

-सभी विभागों में एमनेस्टी स्कीम को पुनः शुरू किया जाये।

-बालोतरा और जोधपुर का प्रदूषित पानी ट्रीटेड करके पचपदरा रिफाइनरी को देने का प्लान स्वीकृत किया जाए।

-एमएसएमई उद्योगों के लिए विद्युत दर फिक्स की जाये जिससे अन्य सभी चार्जेज से मुक्ति मिल सके।

-रिप्स में होटल इंडस्ट्री की बिल्डिंग को भी प्लांट एंड मशीनरी में माना जाये।

-मुख्यमंत्री उद्यम योजना में पेंडिंग फाइल का शीघ्र निस्तारण किया जाये।

-सोलर कैप्टिव प्लांट में लोड से 200 प्रतिशत लगाने की घोषणा का नोटिफिकेशन जारी किया जाए।

-कृषि भूमि रूपांतरण के लिए एसडीएम को 50000 मीटर तक के अधिकार दिए जाएँ।

-लघु औद्योगिक इकाइयों में फायर सेस को माफ़ किया जाए।

-टेक्सटाइल की तरह एनवायरनमेंट क्लीयरेंस से होटल और मैरिज गार्डन को छूट प्रदान की जाए।

-भूमिगत पानी के लिए सीजीडब्ल्यूए की तर्ज पर राजस्थान सरकार में भी बोर्ड बने।

-कोटा स्टोन और जालोर ग्रेनाइट को ऑरेंज से ग्रीन कैटेगरी में लाया जाये।

-प्रदेश में उपलब्ध सरकारी औद्योगिक भूमि को चिन्हित किया जाये एवं लैंड बैंक बनाया जाए।

-पावरलूम सेक्टर में महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के अन्य राज्यों की

तरह कैपिटल सब्सिडी, ब्याज एवं बिजली में अनुदान का प्रावधान किया जाए जिससे राजस्थान में ये नया सेक्टर विकसित हो सके।
-गुजरात के मोरवी औद्योगिक क्षेत्र की तर्ज पर गैस की सुविधा देकर टाइल्स हब बनाया जाए।

सरकारी व्यवस्था में इफ-एंड-बट से प्रवासी निवेश से रहे वंचित- घनश्याम ओझा

एलयूबी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी के रवैये पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि राजस्थानी प्रवासियों में मातृभूमि को कर्मभूमि बनाने की ख्वाइश हमेशा से रही है। बहुत से प्रवासी उद्योगपतियों के मन में इस बात की टीस रहती है कि वे अपनी मातृभूमि पर कोई अच्छा निवेश नहीं कर पाए जिससे कि यहाँ के युवाओं के लिए रोजगार सृजन हों। ब्यूरोक्रेसी के बुरे बर्ताव के कारण ये संभव नहीं हो सका। सरकारी विभागों की उदासीनता का आलम ये है कि बरसों पहले किए एमओयू आज तक जमीन पर साकार नहीं हो पाए, क्योंकि सरकारी सिस्टम में हमेशा कोई न कोई इफ एंड बट लगी ही रहती थी। लेकिन अब नई सरकार आने के बाद प्रदेश के उद्यमियों और प्रवासियों दोनों में अच्छी उम्मीद बनी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपनी पूरी टीम के साथ प्रवासियों और विदेशी कंपनियों से निवेश लाने की कोशिश कर रहे हैं। राजस्थान सरकार प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक से पांच ट्रिलियन करने की दिशा में कार्य कर रही है।

उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' से पर्यावरण संरक्षण के प्रकल्प की प्रशंसा की और लगाए जा रहे वृक्षों को जीवंत रखने की अपील भी की। श्री ओझा ने लघु उद्योग भारती वाटिका जैसी अभिनव पहल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्यावर इकाई ने डंपिंग यार्ड को हरे-भरे उद्यान में तब्दील कर दिया जिससे प्रेरणा लेकर रीको के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी अनुपयोगी और बंजर जमीन पर वाटिका तैयार करने का कार्य किया जायेगा। ये वाटिका औद्योगिक क्षेत्र में ऑक्सीजन बैंक का काम कर रही हैं।

सोलर और पेट्रो उत्पादों के लिए असीम संभावनाएं- केके विश्नोई

प्रदेश के उद्योग राज्य मंत्री श्री केके विश्नोई ने कहा कि सरकार प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है जिससे राजस्थान में निवेश का माहौल बना है। देश और विदेश दोनों फ्रंट पर सरकार

को सफलता मिल रही है। लाखों करोड़ के एमओयू हुए हैं, जिन्हें निश्चित रूप से क्रियान्वित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मार्च 2025 तक पचपदरा में रिफाइनरी की शुरुआत से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स से जुड़े उद्योगों के लिए असीम संभावनाएं पैदा होंगी। प्रदेश में व्यापक स्तर पर सोलर पार्क भी बनेंगे। श्री विश्नोई ने 9 से 11 दिसंबर, 2024 को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती ने सूक्ष्म और लघु उद्यमियों के लिए बहुत ही अनुकरणीय सहयोग किया है।

उद्यम स्थापित करने में सभी मापदण्डों को पूरा करने वाले उद्यमियों को मिलेगा संबल -संजय शर्मा

प्रदेश में पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने बताया कि समाज ने दीर्घावधि तक प्रकृति का दोहन और

शोषण ही किया है, लेकिन इसके संतुलन के लिए और भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमें पुनः प्रकृति की ओर लौटने की जरूरत है जिससे हम अपनी पारिस्थितिकी को समय रहते बचा सकें। श्री शर्मा ने बताया कि प्रदेश में 7 करोड़ से अधिक वृक्षारोपण किया जा चुका है। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ माँ के नाम' आह्वान को जन-आंदोलन बताया। पर्यावरण मंत्री ने उद्योग मंत्री का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि बिना औपचारिक सरकारी एनओसी के अनाधिकृत रूप से चल रहे उद्योगों को बंद करने की कार्यवाही की जाएगी, क्योंकि औद्योगिक प्रदूषण किसानों की जमीन और पर्यावरण को ख़राब कर रहा है। उन्होंने उद्यमियों को विश्वास दिलाया कि उद्यम स्थापित करने में सभी मापदण्डों को पूरा करने वाले उद्यमियों को संबल मिलेगा।

श्री शर्मा ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों का सरलीकरण किया जायेगा। उन्होंने उद्यमियों की शिकायत पर आश्वासन दिया कि पर्याप्त आधार होने के बाद भी भविष्य में बिना

नोटिस दिए किसी उद्योग का विद्युत कनेक्शन नहीं काटा जायेगा। उन्होंने बताया कि 7 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस मनाया जाता है और उस दिवस पर सम्मानित होने वाले देशभर के शहरों में राजस्थान के किसी भी शहर का नाम नहीं था। इसलिए हम सभी मिलकर प्रयास करें कि इस सूची में प्रदेश का भी कोई शहर जुड़े।

रोजगार सृजन के लिए राज्य सरकार उद्यमियों की हर संभव मदद के लिए तैयार- राज्यवर्धन सिंह राठौड़

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कार्यक्रम में राज्य के आर्थिक विकास और एमएसएमई सेक्टर की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ग्यारहवीं से बढ़कर पांचवीं सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था बन गया है, जिसमें एमएसएमई सेक्टर का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तय किया है कि राज्य की अर्थव्यवस्था को 15 लाख करोड़ से बढ़ाकर 4 साल के अन्दर 30 लाख करोड़ तक लेकर जाएंगे।

उन्होंने बताया कि वे राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में निवेश आमंत्रित करने के लिए स्विट्जरलैंड गए जहाँ 90 फीसद इकॉनमी एमएसएमई पर आधारित है यानी ये अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, साथ ही टेक-फ्रैंडली भी। यही काम राजस्थान में भी करना है। उम्मीद की जा रही है कि स्विस कंपनियां फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में 10 वर्षों की अवधि में यहाँ बिलियन डॉलर का निवेश करेंगी।

उद्योग मंत्री ने कहा कि ये निवेश के लिए एक बड़ा अवसर है और एमएसएमई सेक्टर के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगा। उन्होंने उद्योगपतियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और बड़ा सोचें।

श्री राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य उद्योगपतियों को समर्थन देना और रोजगार के अवसर पैदा करना है, और इसके लिए सरकार हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने 2026 में लघु उद्योग भारती और राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्टोन मार्ट प्रदर्शनी की चर्चा की। श्री राठौड़ ने उद्योगों के हित में 21 नई पॉलिसी लाने, 60 पॉलिसी में सुधार करने, निजी उद्योग पार्क की अनुमति देने की भी चर्चा की।

श्री राठौड़ ने बताया कि गैस पाइपलाइन के माध्यम से राजस्थान में टाइल्स के उद्योग लगेंगे, इसके लिए कार्य प्रगति पर है। पीएसयूज के साथ भी प्रदेश सरकार ने 2 लाख के एमओयू किए हैं। शीघ्र ही प्रदेश में 60 किलोवाट सोलर एनर्जी का उत्पादन शुरू किया जायेगा। उन्होंने बताया कि टाटा कंसल्टेंसी को प्रदेश की सौ आईटीआई संस्थानों के स्टूडेंट्स की स्किलिंग का कार्य दिया गया है।

राष्ट्र की प्रतिष्ठा में ही हम सबकी प्रतिष्ठा - प्रकाश चंद्र

बहुत तेज गति की हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, दुनियाभर में पांचवीं सबसे बड़ी। आने वाले बरसों में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर भारत पहुंचने की कोशिश में है। राजनीतिक नेतृत्व के साथ देश के उद्यमियों का माइंड सैट बना है, आगे बढ़ने का जज्बा बना है और ऐसा नहीं हैं कि ये पहली बार हुआ है, बल्कि सैकड़ों वर्षों पहले भी ऐसा ही रहा है। यही हमारी विशिष्ट पहचान भी है। लेकिन ये भी उतना ही सच है कि विकसित राष्ट्र नहीं चाहते कि भारत उनके समकक्ष खड़ा हो या उनकी बराबरी करे। हमारा देश आर्थिक प्रगति के साथ उन्नति न कर सके, इसके लिए निरंतर षड्यंत्र चलते रहते हैं। दशकों तक देश में सेमीकंडक्टर नहीं बन सका। लेकिन अब उसकी आधारभूमि तैयार हो रही है। 2047 यानी राजनीतिक स्वतंत्रता के सौ बरस पूरे होने तक ये देश विकसित और प्रगतिशील राष्ट्रों में शुमार हो, ऐसी संकल्पना है और उस पर गंभीर प्रयास भी हो रहे हैं। इस संकल्प को साकार करने में सरकार की इच्छाशक्ति, नौकरशाही की जवाबदेही और उद्यमियों का उच्च मनोबल सभी का योगदान होगा।

सरकार संवेदनशील है, इसलिए अपेक्षा भी अधिक है। लेकिन हमें स्मरण रखना होगा कि अगर राष्ट्र सुरक्षित होगा, तो ही उद्यम

और हमारा समाज सुरक्षित होगा। बांग्लादेश में समृद्ध उद्यमियों के साथ क्या हुआ और क्यों हुआ, ये सभी के ध्यान में आया। जब उनसे पहले कहा गया कि अपनी कुछ यूनिट्स भारत में लगाएं, तो उन्होंने अनदेखा किया, उस समय उन्हें इस बात का कोई अंदेशा भी न था। कश्मीरी पंडितों को विस्थापन भोगना पड़ा। इजरायल का उदाहरण सबके सामने है सीमित भूमि और संसाधनों के बावजूद अपनी तकनीक, कौशल और सबसे ज्यादा राष्ट्र के प्रति अटूट निष्ठा ने आज उसे जो स्थान दिया, वो सहज संभव नहीं। राष्ट्र की प्रतिष्ठा में ही हम सबकी प्रतिष्ठा है, ऐसा भाव जगाने की जरूरत है। हम सब पर बड़ी जिम्मेदारी है कि परिवेश पर हम सभी की पैनी नजर हो। समृद्ध भारत का दृष्टिकोण रखते हुए हम उद्यम करें, यही सामयिक जरूरत है।

राजस्थान क्षेत्रीय सम्मेलन-2024 में जयपुर प्रांत महिला इकाई की ओर से जवाहर कला केंद्र, जयपुर में 4 से 6 अक्टूबर तक आयोजित तीन दिवसीय स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। सम्मेलन में प्रदेश भर के 160 औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भीलवाड़ा इकाई के अध्यक्ष और प्रमुख उद्यमी श्री शंभू काबरा ने क्षेत्रीय सम्मेलन को उद्देश्यपूर्ण बताया। प्रदेश संयुक्त महासचिव श्री महेंद्र मिश्रा का मानना था कि इस तरह के आयोजन से कार्य करने की भरपूर ऊर्जा मिलती है, तो वहीं गंगानगर इकाई अध्यक्ष श्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि प्रत्यक्ष संवाद अधिक प्रभावी रहता है। लघु उद्योग भारती के पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सीए श्री योगेश गौतम ने बताया कि इन सम्मेलनों में भागीदारी से उद्योग की बारीकियां भी सीखता है उद्यमी।

सम्मेलन में पूर्व सांसद श्री सुभाष बहेडिया, विधायक श्री अशोक कोठारी, श्री गोपीचंद मीणा, श्री गोपाल खण्डेलवाल, महापौर श्री राकेश पाठक, श्री प्रशान्त मेवाड़ा, एलयूबी प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अरुण जाजोदिया, प्रदेश के पूर्व मीडिया प्रभारी श्री विमल कटियार और जयपुर प्रांत मंत्री सुश्री सुनीता शर्मा सहित प्रदेशभर से कार्यकारिणी सदस्य तथा बड़ी संख्या में उद्यमीगण मौजूद रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में टीम भीलवाड़ा ने बहुत बेहतर समन्वय के साथ कार्य किया जिसमें श्री राजकुमार मेलाना, श्री महेश हुरकट, श्री गिरीश अग्रवाल, श्री संजीव चिरानिया, श्री सुरेश कोगटा, श्री कमलेश जैन, श्री रामप्रकाश काबरा, श्री अजय मूंदड़ा, श्री बालकृष्ण काबरा, श्री हरगोविंद सोनी, श्री सत्यप्रकाश गग्गड़, श्री रामरतन जागेटिया, श्री रामकिशोर काबरा, श्री केके जिंदल, श्री ओमप्रकाश मूंदड़ा, श्री अमित जालान, श्री पुनीत सोनी, श्री अजय अग्रवाल, श्री सुनील मेहता, श्री अभिषेक जैन, श्री अभिषेक शर्मा, श्री रवि कालरा, श्री दिनेश लड्ढा, श्री सत्यनारायण झंवर, श्री हरि अग्रवाल, श्री नवीन कांकाणी, श्री शिव प्रसाद झंवर, श्री अनूप बागड़ोदिया, श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल सहित महिला इकाई से श्रीमती विमला जैन, श्रीमती नीता बंसल, श्रीमती शशि काबरा शामिल हैं। सम्मेलन के तीनों सत्रों का सफल संचालन राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत उद्यमी और महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी लड्ढा एवम श्री सुमित जागेटिया ने किया।

□□□

News Update

CSIR VISIT

During this month, the members of LUB visited more than 10 labs situated at Lucknow, Ruraki, Dehradun and Pilani. Members have given heartfelt thanks to Laghu Udyog Bharati for providing them the wonderful opportunity to visit the CSIR- institutions.

About 200 members had the privilege to explore the vast array of sustainable technologies available through CSIR technology transfer. During visits, they were introduced various innovative products and their practical applications. Almost 60 technologies are either signed for transfer or under pipeline for transfer.

These are the some more technologies having the cost of less than Rs. 10 lacks.

- Versatile Dal Mill
- Foods for Diabetics
- Shelf-Stable Chicken Biriyani
- Low Fat High Protein Snack Foods
- Vibro Fludized Bed Roaster
- Instant Mushroom Soup Mix
- Tomato Products: Preparation (including Juice, Ketchup, Sauce)
- Process for Instant Tomato Crush, Tomato Rasam Mix and Tomato Rice Bath Mix
- Continuous Ragi Mudde Making Machine
- Dehydrated Drumstick Powder
- Virgin Coconut Oil
- Malted Weaning Food
- Spice Bread
- Bread: Production (9 Varieties - Brown, Plain, Sweet, Milk, Whole Wheat, Fruit, High Fiber, Ragi, Bajra)
- Egg Loaf
- Sugarcane Juice Spread
- Bottling of Sugarcane Juice
- Geranium Active-Anti Dandruff Shampoo (Hair Care Formulation)
- Kleenzie-Aloe Based Face Wash (Skin Care formulations)
- Kaya Kavach (Sun-Protection Cream SPF-40) (Skin Care Formulations)
- Psoria-CIM: Steroid Free Cream for Psoriasis (Skin Care Formulations)
- Flower Based Incense Sticks & Fragrant Cones (Societal Products)
- Aro-Clean: Disinfectant with Room Freshener (Health and Hygiene Formulations)
- Acne Preventive Face Wash - Natural Remedy for Acne (Face Wash)
- CIMAP Phal Se - Nutritive Granules (Nutraceutical Formulations)
- FloMop (Societal Products)
- Herbal Mouth Wash (Health & Hygiene Formulations)
- Herb based Mospray- Mosquito Repellent Spray (Mosquito Repellent Formulation)
- Mosquito Repellent Cream (Mosquito Repellent Formulations)
- Paintk (Herb based Pain Reliever Formulations)
- Polyherbal Toothpaste - Oral Care Formulation (Health and Hygiene Formulations)
- Swabee-Surface Disinfectant (Disinfectant Formulations)
- Herbal Cough Syrup (Health and Hygiene Formulations)
- Acne Cure Gel (Face Wash)
- Naari-Infection Preventing Aromatic Sanitary Pad (Health and Hygiene Formulations)
- Herb based After Shave Gel (Non-Alcoholic Skin Care Formulations)
- CIM-Paushak-Immunity Enhancer Awaleh (Nutraceutical Formulations)

Mos-Ex - Mosquito Repellent Body Lotion (Societal Products)

Cleangerm (Chemical Free) Mopping Liquid (Disinfectant Formulations)

Hankool- Hand Disinfectant (Disinfectant Formulations)

Herby Soft-Scientifically Developed Shampoo based on Traditional Knowledge (Hair Care Formulations)

Painchoo- Pain Relieving Cream (Pain Reliever Formulations)

Relaxomap-Anti-Inflammatory Pain-Relieving Oil

Herb-based Cracknil-Anti-Crack Cream (Skin Care Formulations)

Herb based All Purpose Cream (Skin Care Formulations)

Herb based Lip Balm- Lip Care Formulation (Skin Care Formulations)

Wireless and Sensor-based Dust Suppression System for Mine Roads

Tunnelling Technology for Smart Cities

Biogas Generation from Food Waste, Vegetable and Fruit Peels

Chicken Feet Leather and Leather Products

Chrome - Melamine Syntan

Keratin Hydrolysate from Feather

Leathers and Products from Fish Skin

Preparation of Compost from Animal Hair Waste (Process Based Technology)

Preparation of Regenerated Leather from Tannery Solid Wastes: Geno-Corium

Protein- Acrylic Based Synthetic Tanning Agent

Utilization of Chrome Shaving Waste in BCS Manufacture

Manufacture BCS from Spent Acid Waste

Design Package for Manufacturing Combination Products

Protein- Melamine Based Synthetic Tanning Agent

Protein- Phenol Based Synthetic Tanning Agent

Electric Tiller

Vehicle Mounted Drain Cleaning System

Electro Mechanical Field Density Gauge

Patch Fill: Pothole Repair Machine

Mobile Cold Mixer cum Paver

Process know-how for Cultivation of Salicornia Brachiata for Generating Higher Biomass for Value Addition

Curd Strip that can set Tailor-made Constant Quality Curd Anytime Anywhere

De-Potash Vinasse with Indigenous Sulfide Oxidizing Bacteria as a New Aquaculture Symbiotic 'Aqua Boost'

Process know-how for Production of Refined Carrageenan from Semi Refined Carrageenan

Process for Production of Alginic Acid and Alginates

Process for Preparation of Liquid Seaweed Plant Bio-Stimulant (LSPB) from Brown Algae - Sargassum

Production of Sap from Kappaphycus Alvarezii and its Application

Protein & Fibre Enriched

Cereal and Millet Bars

Multigrain High Protein Mix

Aeroponic Farming of Bacopa Monnieri & Valeriana Jatamansi for Commercial Scale Plant Productivity

Distillation Units

Herbal Soap

Iron Enriched Fruit Bars

Shitake Mushroom

Herbal Hair Oil

Biofertilizers

Natural Colours

Formulation Promoting Cartilage Health

Iron and Zinc Enriched Spirulina Based Bars

Ready to Reconstitute Multigrain Protein Mixes and Energy Bar

Modular and Plug-In Flow Sewage Treatment Plant (STP)

Anaerobic Gas Lift Reactor for Eneration of Biogas & Biomanure from Organic Solid Waste

Organic Zinc-Natural Vitamin-C based Nutraceutical Formulation

Fermentation Process for Production of Biofertilizer/ Biocontrol Agents

Fermented Composition Turmeric (Curcuma Longa) + Sanjivani Buti (Selaginella Dryopteris) with Anti-Inflammation, Wound Healing and Skincare Products (Cream, Soap, and Bandage Spray)

Improved Biomass Stove

Pine Needle Briquetting Machine of 50 kg/h

Production Capacity

Improved Jaggery Making Plant

CSIR-IIP's Room Temperature Biodiesel Technology: Step Toward Sustainable Future

Milk Adulteration Detection Kit (Milk Achecker)

Test-Strips for Detection of Spoilage in Fruit Juices

Test-Strips for Detection of Adulteration in Edible Oils

Portable Water Analysis Kit

Expert Eye-on-Pellet: Palettization Disc Control System

Potash Enriched Biochar from Waste Biomass

Alum from Waste Aluminium Dross

Silicon Carbide Powder from Rice Husk and its Ash

Nanosized Magnetite from Mill Scale for Printing Application

High Pure Silica Production from Lowgrade Silica Sand

Oxide Thermoelectric Materials and Module

Nal's Jaldost Weed Clearing System for Lakes

50 N Micro Gas Turbine (MGT) Engine

'Nalsun-NG Coating' for Solar Thermal Applications

30 HP Wankel Rotary Engine Suitable for Civil & Military Applications

Thermosetting Shape Memory Polymer

Bi-Level Positive Airway Pressure System (Bi+APV1)

Thermal Insulation Coating Paint

Non-Selective Solar Coating for High-Temperature Applications

Multi Copter Drones (Quadcopter, Hexacopter,

Dual-Hexacopter & Octocopter) for Societal Applications

Aerospace Grade Desktop Autoclave

Lead Zirconate Titanate (PZT) Powder and Product Manufactured Thereof

Multi-Zone Hot Bonder

NAviMet - An Augmented Weather Monitoring System

Paediatric Prosthetic Knee Joint

Topical Herbal Anti-Candida Gel

Croma-3: Bioavailable Curcumin

Microbial Bioinoculants

Lotus Based Fermented Health Drink (Amrit)

NBRI-Dento Gel

Lotus Petals Based Tea (Amrita)

Herbal Liquid Sindoor from Flowers

Shiv Bhabhut

Nutri Jam

Traditional Kadha

Zentho Dent

Anti-Dandruff Hair Care Oil

Gulal from Temple Flowers

Herbal Floor Disinfectant and Cleaner (Floormop)

Herbal Gulal

Liquid Deodorant & Cleaner

Low Cost Honey Bee Box

OP-12 Bio-Fertilizer for Plant Health Improvement under Normal and Water Deficit Condition

Process for Large-Scale Production of Fortified Rice Kernels (FRK)

Plant-Based Meat Analogs

Biodegradable Cutleries, Cups, Glass and Plates from Agri Wastes (Wheat Barn, Sugar Cane Bagasse, Rice Husk, Fruit Peels and Pineapple Leaves, etc)

JAIVAM, a Bio-Medium for Accelerating Aerobic Composting of Organic Waste

Bioprocess for Treating Perchlorate (Rocket Fuel) Contaminated Water and Soil

Injection Moldable, Biodegradable Coir Composite Pellets

Coir-Based Mulching Sheets

Compostable, Hydrophobic and Moisture Resistant Plant Oil-Based Bio-Resin as an Alternate to Plastic Liner

Compact Food Waste Biogas Plant

Ready to Cook Tender Coconut Payasam Mix

Modular Onsite Wastewater Treatment cum Resource Recovery Unit

Organism and Process for Production of Beta Glucosidase (BGL)

Technology to Produce Nutrient Premix for Rice Fortification

Microbial Consortium for Waste Management in Aquaculture Ponds

Non-Cytotoxic Bacterial Melanin (NCBM)

Process of Making Bio-Fertilizer from Fishery Waste

Metal Oxides Nanomaterial based Anti-Corrosive Chemical

Anti-Tarnishing Lacquer

Process to Clear Ball Jam in Ball Pen Tips

Energy Efficient Coke based Brass and Bell Metal Melting Furnace

Energy Efficient Eco-Friendly Brass & Bell Melting Furnace for MSME Artisans

Ceramic Primer for Direct Application on Rusted Steel

A Highly Sensitive Low-Cost, Small-Sized Device for Measuring Weak Magnetic Fields

High-Volume PM2.5 Sampler

Six-Stage Viable Sampler and Sampling Probe for BFE Testing of Mask

Process for Development of Polystyrene Films

3 Tesla Auto - Ranges Pulsed/Static Field Gauss Meter

High-Volume PM10 Sampler

Waste Biomass to Biocoal by Rotating Reactor Type Torrefaction Technique

Indigenous MWCNTs Synthesis by CVD and Development of Flexible MWCNTs Paper Therefrom

Recovery of Materials from Waste Silicon Solar Photovoltaic Modules

Acoustical Lightweight Interior Dry Wall Panel for High Sound Insulation

Tissue Equivalent Liquids as per IEEE-1528 for SAR Compliance Testing

Particle Board from Rice Husk

Process for Synthesis of Fullerene Acceptors for Organic Solar Cells

Noise Absorptive Barrier for Metro/ Railway/ Highway/ Airport Noise Abatement

Low-Cost & Maintenance-Free Thermoelectric Cooler/ Refrigerator

Improved Variable Frequency Ultrasonic Interferometer for Velocity and Attenuation Measurement in Liquids

Ultrasonic Pulse Velocity Tester Device with Threshold Error Correction

Process for Synthesis of Poly (3,4-Ethylenedioxythiophene) - Poly (Styrenesulfonate), (PEDOT: PSS)

Cost Effective Toilet Unit with Precast Thin Concrete Segmental Panels

Cost Effective Durable Water Tanks for Residential Use

Portable Light Weight Foldable Module for Makeshift Hospitals & other Needs (Poli-Tal (M)

Eco-Friendly Geopolymer Concrete Blocks

Textile Reinforced Concrete Boundary Wall

Textile Reinforced Concrete Prototyping Technology for TRC Liner and Panel Production

Glass Textile Reinforced Concrete Crash Barrier

Precast Concrete Lightweight Large Wall and Roof Panels for Housing

Tunnelling Technology for Smart Cities

Six New Income Tax Rules Effective from 1st October, 2024

Several important changes in the Indian tax system, as announced during the Union Budget 2024-25, take effect from 1st October. These changes represent the government's efforts to simplify tax administration and ensure equitable contributions from all taxpayers.

1. Mandatory Aadhaar Number for Tax Filing- Taxpayers can no longer use their Aadhaar Enrolment ID for tax-related purposes. The actual Aadhaar number must now be quoted, streamlining identification, and enhancing security.

2. Revised TDS Rates- The government has made notable revisions to Tax Deducted at Source (TDS) rates. TDS for certain sections has been reduced from 5% to 2%, making tax deductions more favourable for taxpayers. Additionally, Section 194F, which imposed a 20% TDS, has been removed.

3. Taxation of Floating Rate Savings Bonds- Interest earned on Floating Rate Savings Bonds, 2020 (Taxable), and other government securities will now attract tax if it exceeds ?10,000 in a financial year. This change ensures that higher-income earners contribute more appropriately to tax revenues.

4. Increased Security Transactions Tax (STT) on Futures and Options- To generate additional revenue from speculative trading, the STT on futures is increased to 0.02%, while options trading will attract 0.1%.

5. Tax on Share Buybacks- Income from share buybacks will now be taxed in the hands of the recipients, ensuring fair taxation across corporate transactions and removing previous exemptions.

6. Direct Tax Vivad Se Vishwas Scheme, 2024- The new DTVSV Scheme provides a mechanism for taxpayers to settle disputes with the tax department. Those who opt for early settlement before December 31, 2024, will benefit from lower settlement amounts, with older appellants facing higher settlement figures. □□□

Finance Minister asked PSBs to Boost Credit Access for MSMEs

In the first full budget under the Modi 3.0 government, Finance Minister Smt. Nirmala Sitharaman had announced that PSBs will lead the development of an assessment model based on the digital footprint of MSMEs to also cover MSMEs without a formal accounting system.

She also asked banks to further increase credit flow to eligible borrowers under different government schemes such as PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana and PM Vishwakarma Yojana.

Chairing a performance-review meeting with PSBs' heads, Smt. Sitharaman said that Banks must expeditiously implement recent Budget announcements, including, a new credit assessment model for MSMEs based on digital footprints and cash-flows.

FM reviewed banks' financial parameters, deposit mobilisation, digital payments and cyber security framework and other emerging issues.

Speaking on deposits, Smt. Sitahraman said while the credit growth has "picked up, mobilisation of deposits could further be improved to fund the credit growth sustainably and asked banks to make concerted efforts to garner deposits by conducting special drives.

The budget had announced several measures to enhance credit to MSMEs such as a Rs. 100-crore credit guarantee scheme to enable term loans for procuring machinery and equipment without collateral or third-party guarantee. □□□

Centre Notifies Rules and Forms for Direct Tax Vivad Se Vishwas Scheme

The government notified rules and forms for the Direct Tax Vivad Se Vishwas Scheme-2024 to resolve pending appeals in the case of income tax disputes on 21st Sept., 2024. The scheme, announced in the Union Budget to reduce the litigations related with income tax, will come into force with effect from 1st October.

This Scheme provides for lesser settlement amounts for a 'new appellant' in comparison to an 'old appellant', said the Central Board of Direct Taxes (CBDT).

"The scheme also provides for lesser settlement amounts for taxpayers who file declaration on or before 31.12.2024 in comparison to those who file thereafter," said Ministry of Finance in a statement.

Four separate forms have been notified by the government: 1st for filing declaration and undertaking by the declarant; 2nd for certificate to be issued by designated authority; 3rd for intimation of payment by the declarant; & 4th Order for full and final settlement of tax arrears by designated authority.

The Scheme also provides that Form-1 would be

filed separately for each dispute, provided that where appellant and the income-tax authority, both have filed an appeal in respect of the same order, single Form-1 shall be filed in such a case.

"The intimation of payment is to be made in Form-3 and is to be furnished to the designated authority along with proof of withdrawal of appeal, objection, application, writ petition, special leave petition, or claim," the ministry noted. □□□

RBI has come up with 4 BIG Updates

These changes can have a direct impact on the finances.

1. RBI Governor proposed introducing a new feature called "Delegated Payments" for UPI. This allows a primary user (you) to authorize a secondary user (like a family member) to make UPI transactions using your bank account. You can set the limit for these transactions.

This way, the secondary user doesn't need a separate bank account linked to UPI. So, this can be a convenient way to manage digital payments within families, making it easier and safer for everyone.

Use Case: Children can pay school or college-related expenses from their parents' bank accounts. Some senior citizens can also authorise their kids to make certain payments on their behalf.

2. Cheques are to be Cleared Within a Few Hours Now

Right now, the Cheque Truncation System (CTS) takes up to two days to process cheques.

CTS is a process used by banks to clear cheques electronically. Instead of physically moving the cheque from one bank to another, CTS involves scanning the cheque and transmitting its image and related information digitally. This speeds up the clearing process.

RBI has announced measures to ensure continuous cheque clearing under the CTS. Once implemented, cheques would be cleared within hours of submission.

3. Public Database to Spot Illegal Lending Apps

Many unethical digital lending apps claim they are regulated by the RBI. These apps cause all sorts of problems, including data privacy issues, charging high interest rates, and unfair ways of getting money back.

RBI has proposed a solution for this. The central bank will create a public repository of verified digital lending apps (DLAs) associated with RBI-regulated entities. Regulated entities will report their apps to this public repository, which will be available on RBI's website. It will be updated regularly as new apps are added or old ones are removed.

4. Increase in UPI Limit for Tax Payment

UPI has become the most popular method for payments. At present, we can transfer up to ?1 lakh only at a time. But RBI has periodically reviewed and enhanced the limits for certain uses, such as buying stocks, IPOs, loan collections, insurance, medical, and education payments. Now, RBI has decided to up the limit for tax payments through UPI from ?1 lakh to ?5 lakh per transaction.

5. 15 Days Reporting to CIC

The information related to loans, credit cards will be updated by banks to credit information companies (CIBIL, Experian etc.) in every 15 days. Currently it is on monthly basis. □□□

Ministry of Food Processing Industries (MoFPI), Govt. of India approved 41 Mega Food Parks, 399 Cold Chain Projects, 76 Agro-Processing Clusters, 588 Food Processing Units under PMKSY.

Indian Embassy Issues Trade Advisory on SMEs doing Business with Chinese Firms

Indian Embassy Issues Trade Advisory on SMEs doing Business with Chinese Firms because the embassy has regularly come across several problems faced by Indian companies doing business with Chinese entities in China. The Embassy requested that Indian companies take note of this advisory and its annexure documents and adopt adequate precaution while dealing with Chinese entities. The embassy, as a precautionary measure, recommends that Indian firms obtain and securely store copies of the resident identity card (Chinese identity number) and passport of the proprietor and other key representatives of the Chinese company.

Also recommended that before doing business with any Chinese entity, Indian companies write to the Indian embassy (com.beijing@mea.gov.in, ccom.beijing@mea.gov.in) or Indian Consulates at Shanghai (hoc.shanghai@mea.gov.in), Guangzhou (com.guangzhou@mea.gov.in) and Hong Kong (commerce.hongkong@mea.gov.in) to verify the credentials of the entity. □□□

LUB's News in Brief

Team Tamil Nadu Ignited after Visiting CSIR Labs

LUB's Tamil Nadu State Team had visited the CSIR Madras Complex, Chennai to understand various facilities and Technologies available at CMC. LUB team was well received by Dr. Roberts Sam, Scientist In-Charge and Dr.Sethuraman, Principal Scientist, CSIO & Nodal Officer, Business Development Group (BDG), CSIO, Chennai. Scientist In-Charge, CSIO briefed on various technologies and facilities available at CSIO. Members were shown the calibration lab and Renewable Energy testing facilities of CSIO.

The Team had interactions with scientists and Scientist In-Charge on various technologies available in mineral processing and metallurgy. After that Team had interactions with Scientist In-Charge, CEERI Chennai on various technologies and facilities. CEERI Chennai is working on AI & Deep Tech based solutions for various industry problems.

A walk-through visit to CECRI and NEERI was also done. After lunch, a session on Industrial Research under PRISM Scheme was briefed by Dr. Narender Singh, Head-BDG, CSIO. Then, various technologies available for transfer and facilities at CSIR- SERC (Structural Engineering Research Centre) was briefed by Dr. Satish Kumar, Head-BDG, SERC. 5 scientists briefed on various technologies available for transfer at SERC. The visit at CSIR CMC has ignited minds of team with new ideas. Salem President Shri Senthil coordinated this visit very well. State Jt. General Secretary Shri Jeyandiran is monitoring closely to this project. □□□

Blood Donation Camp conducted at Vapi

LUB's Valsad District Unit of Gujarat state organised Blood Donation Camp at Vapi on the occasion of Vishwakarma Jayanti on 15th September. Total 247 units were collected. □□□

Erode Team Celebrated Vishwakarma Jayanti & SIDBI Financial Awareness Program

The event has been a remarkable achievement, highlighting several key milestones:

1. LUB Pledge: All members took a wonderfully drafted pledge, setting a precedent for other district chapters to follow.

2. Women's Participation: Close to 50% of the participants were women, a significant achievement for inclusivity.

3. Highest Women Members: Erode chapter now holds the record for having the highest number of women members across LUB.

4. CSIR Beneficiaries: The team secured close to 17 technologies from CSIR, with many of the beneficiaries being micro women entrepreneurs.

5. Engaging Speech: The speech delivered by State Secretary Shri Sathyanarayanan was enjoyed by all attendees, making it a highlight of the event.

□□□

Important Meeting was held for All India Utpad Samuh @ HQ

A Meeting of LUB's Utpad Samuh Co-ordinators was held at National Headquarter at New Delhi. All India Organizing Secretary Shri Prakash Chandra ji, All India President Shri Ghanshyam Ojha, All India General Secretary Shri Om Prakash Gupta, All India Jt. Gen. Secretary Shri Rakesh Garg & National Secretary Shri Naresh Pareek were present along with National Co-ordinators of different Utpad Samuh.

The meeting focused on critical topics such as restructuring product groups, improving quality across various industries. Discussions included the classification of 99 product groups, aligning 22,435 quality standards across 16 categories, and addressing challenges faced by small industries in adopting technology and complying with government regulations. Emphasis was placed on increasing domestic production to meet India's growing demands, fostering collaboration between industry and government, and reducing dependency on imports. The session concluded with a call for collective action to enhance the competitiveness and sustainability of MSMEs in India. □□□

Insightful Interaction held for New Learning at Agra

A grand event titled 'Udyog Vardhan' was successfully organized at Agra on 4th Sept. The event was a collaborative effort by Laghu Udyog Bharati, and SIDBI, with participation from over 200 entrepre-

neurs. The key focus of the event was to encourage MSMEs and prepare them for global competition.

□□□

Odisha Formed New Executive Committee

LUB's Odisha State Unit formed new executive committee at Bhubaneswar on 1st September in presence of Former National President Shri OP Mittal, State In-Charge Shri Saroj Sahoo, Purba Prant Sah Sangh Chalak Shri Mansukh Lal Sethia, Palak Adhikari Shri Sudarshan Das and Purba Prant Pracharak Shri Bipin Bhai.

Shri Susanta Panda Patron, Shri Gopal Das Agarwal President, Shri Pradeep Nayak Secretary, Shri Debashish Mohapatra Treasurer, Shri Saroj Senapati and Shri Achyut Baral Vice President, Shri Susanta Pratihari and Shri Anuj Mahapatra Joint Secretary and other 7 members were nominated. The meeting was conducted by Shri Ashok Kumar Das.

□□□

Efforts for Complete Units in Sambalpur & Jharsuguda District

Shri OP Mittal met industry people at Sambalpur and Jharsuguda district on 3rd September. After the complete unit in 3 districts, the Odisha West Prant Committee will be declared. Shri Mahaveer Prasad and Shri Dinesh Agarwal are nominated as Convenor and Co-Convener of Sambalpur District. Shri Mahendra Kedia as Convenor and Shri Chandmani Mishra and Shri Sajjan Sultania as Co-Conveners of Jharsuguda District.

□□□

J&K Delegation Discussed Crucial Industrial Issues with LG

LUB's delegation of J&K Unit led by State President Shri Parveen Pargal met with Lieutenant Governor Shri Manoj Sinha to discuss crucial issues affecting the industrial sector on 3rd September. The delegation included senior members Shri Rajesh Jain, State Vice President Advocate Ishant Gupta, and State General Secretary Shri Aagam Jain. The primary focus was the looming deadline for registration under the New Central Sector Scheme (NCSS), scheduled for 30th September 2024, and the need for urgent actions to support the industrial community.

Shri Pargal highlighted serious repercussions that could arise if the incentives under the current package are not extended and enhanced. The delegation emphasized that the package introduced by the Govt. of India post the abrogation of Articles 370 and 35A was intended to drive significant economic development in J&K. However, the current allocation of Rs. 28,400 crores, spread over 16 years, has proven insufficient to achieve the desired results, particularly in terms of industrial growth and job creation.

The LUB has proposed extending the deadline for registration under the scheme by three years, until 30th September 2027, and increasing the total incentive amount to Rs. 1 lakh crore. Additionally, they requested that at least 50% of the budget be reserved for MSMEs, with 25% allocated to the service sector and the remaining 25% for large industries.

The delegation requested for an amendment to the current guidelines, which limit private industrial park development to include only 10% government land. They also called for clarification on land use for private industrial purposes, urging that government land restrictions apply only to private industrial parks.

The delegation also drew attention to issues affecting existing industries, including delayed payments from government departments and SICOP, some pending since 2017. They requested the LG's intervention to expedite these payments. Additionally, they raised concerns regarding Budgetary Support for SGST refunds, requesting that refunds not be denied due to late filings, as many factors can contribute to such delays.

□□□

Inputs Invited for Telangana Govt.'s New MSME Policy

Telangana Govt. is going to introduce MSME Policy first time and invited many stakeholders' association to share their view points and invited LUB also for Pharmaceutical policy related inputs.

□□□

MSME Competitive LEAN Program

Successfully conducted by Karur District Unit

LUB's Karur District Unit of Tamil Nadu State successfully organised the MSME Competitive LEAN Program. This initiative, supported by the Coimbatore MSME office and Assistant Director Mr. Rajendran, will greatly benefit our members by helping them implement LEAN Six Sigma practices at their manufacturing units. With the Central Government subsidy covering 90-95% of the costs, this program is a significant step towards enhancing manufacturing efficiency and competitiveness.

President and Secretary of Karur District Unit ensured the program's success under guidance of State Vice President Shri Ravi Chandran and State Secretary Shri Narayanasamy. □□□

श्री राकेश गर्ग उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष नियुक्त

लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव और युवा उद्यमी श्री राकेश गर्ग को उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्री गर्ग को संगठन की ओर से इस नव दायित्व के लिए बहुत बधाई और सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं। □□□

बिहार में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पर प्रदर्शनी आयोजित

एमएसएमई कार्यालय, पटना की ओर से प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रदर्शनी एवं व्यापार मेला 14 सितंबर से आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के एमएसएमई मंत्री श्री जीतनराम मांझी, प्रदेश अध्यक्ष श्री श्यामसुन्दर भीमसरिया, बिहार सरकार के उद्योग विभाग के अधिकारी, खादी ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक एवं कई औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। □□□

आर्थिक स्वावलंबन के लिए महिलाओं ने सीखे बाजरा आधारित उत्पाद

एलयूबी राजस्थान के जोधपुर प्रांत और केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए बाजरा आधारित उत्पाद- बिस्किट, चॉकलेट, कूकीज पर 10 दिवसीय रोजगारोन्मुखी उद्यमिता प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से उद्योग जगत में महिलाओं की सहभागिता बढ़ने के साथ वे आर्थिक रूप से सशक्त होती है। कार्यक्रम में निदेशक काजरी डॉ. ओपी यादव ने नई तकनीकों और नवाचारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन और फाइबर के अच्छे स्रोत होते हैं।

जोधपुर प्रांत अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद इच्छुक महिलाओं को मशीन ऋण के लिए सहयोग किया जायेगा। मण्डोर इकाई संरक्षक श्रीमती मंजू सारस्वत ने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं को माल के विपणन के लिये ई-कॉमर्स की जानकारी भी दी। केन्द्र प्रभारी डॉ. धीरज सिंह ने प्रतिस्पर्धी दौर में व्यवसाय करने की बारीकियों के बारे में बताया। डॉ. एचएल कुशवाहा (विभागाध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी) और प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. ओमप्रकाश ने उद्यमिता विकास कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। □□□

जोधपुर में ओपन नेटवर्क डिजिटल कॉमर्स विषय पर कार्यशाला आयोजन

राजस्थान के जोधपुर प्रान्त और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान एवं हस्तशिल्प विकास आयोग व जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र जोधपुर के सहयोग से लघु व सूक्ष्म उद्योगों के लिये सेलिंग नेटवर्क प्लेटफॉर्म 'ओपन नेटवर्क डिजिटल कामर्स' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने कहा कि भारत के युवाओं के डीएनए में उद्यमिता है। इस उद्यमिता को कैसे निखारें, उसके लिये भारत सरकार का ओपन डिजिटल कॉमर्स नेटवर्क बहुत सहायक सिद्ध होगा। आईआईटी के निदेशक श्री अविनाश अग्रवाल ने वर्चुअल संदेश में कहा कि ओपन नेटवर्क डिजिटल कॉमर्स के माध्यम से व्यवसाय को स्थानीय बाजारों के साथ वैश्विक बाजार भी उपलब्ध करवा सकते हैं।

जोधपुर प्रान्त अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा ने उद्यमिता विकास, स्वरोजगार, कौशल विकास कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। आईआईटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वेकटेंश मूर्ति ने कहा कि ओपन नेटवर्क डिजिटल कॉमर्स ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य छोटे व्यवसायों और स्थानीय विक्रेताओं को डिजिटल मार्केट में शामिल करना है ताकि वे बड़े प्लेटफार्म की तुलना में अपनी सेवाएं और उत्पाद उपलब्ध करा सकें। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र की उपनिदेशक श्रीमती पूजा मेहरा सुराणा ने कहा कि इस प्लेटफार्म के माध्यम से मजबूत ऑनलाईन व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर सकते हैं। हस्तशिल्प विकास आयोग के सहायक निदेशक श्री किरण वीएन ने ऑनलाइन पोर्टल पर उद्यमियों को अपने माल को बेचने के लिए गुर बताये।

ओपन नेटवर्क डिजिटल कामर्स से श्री ईशांक बंसल व उद्यमवेल से श्री सचिन कोरला ने बताया कि ये उत्पादों और सेवाओं की खरीद-बिक्री को सरल बनाता है। उन्होंने केवाईसी पंजीकरण प्रक्रिया और अनेक जिज्ञासाओं को दूर किया गया। कार्यक्रम में जोधपुर प्रान्त संयुक्त महासचिव श्री सुरेश विश्नोई, श्रीमती बिन्दु जैन, कार्यकारिणी सदस्य श्री मनीष माहेश्वरी, महिला इकाई सहसचिव श्रीमती नलिनी बंसल, कोषाध्यक्ष श्रीमती शिल्पा अग्रवाल सहित उद्यमी गण उपस्थित रहे। संचालन महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती मोना हरवानी ने किया। □□□

झारखण्ड प्रदेश कार्यकारिणी बैठक संपन्न

एलयूबी झारखण्ड प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 30 सितंबर

को चैंबर भवन में संपन्न हुई। बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश मित्तल, राष्ट्रीय सचिव सह झारखण्ड प्रांत प्रभारी श्री इंदर अग्रवाल के साथ चैंबर ऑफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री परेश गट्टानी एवं अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री विजय छापड़िया ने लेट डिलीवरी क्लॉज के अंतर्गत 10 फीसदी कटौती को कम कर 2 फीसदी करने सहित उद्योग जगत की कई समस्याओं की चर्चा की। बैठक में सभी सदस्यों से केंद्र सरकार से जुड़ी सभी समस्याओं और सुझावों को केंद्रीय कार्यालय को भेजने का अनुरोध किया गया। इस अवसर पर श्री अमन चौरसिया, श्री किशोर मंत्री, श्री संदीप जाजोदिया और श्री विजय चौधरी को संगठन की सदस्यता प्रदान की गई। □□□

किशनगढ़ महिला इकाई की मासिक बैठक संपन्न

एलयूबी राजस्थान की किशनगढ़ महिला इकाई की मासिक बैठक 27 सितंबर को आयोजित की गई। बैठक में स्वयंसिद्धा हाट के संचालन और 20 से 22 दिसंबर को आयोजित तीन दिवसीय स्वयंसिद्धा प्रदर्शनी की सम्पूर्ण जानकारी सदस्यों से साझा की एवं उससे जुड़े कार्यों के लिए समितियों का गठन किया गया। बैठक में 20 सदस्यों की उपस्थिति रही। □□□

उदयपुर में उद्योग दर्शन एवं मिलन कार्यक्रम संपन्न

एलयूबी राजस्थान की उदयपुर इकाई ने उद्योग दर्शन एवं मिलन कार्यक्रम 25 सितम्बर को श्री नारायण रेबारी की सुखेर स्थित प्रतिष्ठित इकाई कृष्णा मार्बल इम्पेक्स में आयोजित किया। नारायण जी ने अपनी उद्यम यात्रा को साझा किया जो उन्होंने मार्बल उद्यमी के यहाँ कार्य करते हुए शुरू की थी, लेकिन अपने परिश्रम और दूरदृष्टि के बल पर उन्होंने सफलता प्राप्त की। उनकी इकाई में ब्लॉक प्रोसेस और पॉलिशिंग कर उच्च गुणवत्ता के ग्रीन मार्बल स्लैब का उत्पादन किया जाता है। इसके साथ ही राजसमंद में भी ग्रेनाइट का कारोबार है।

इस विशेष मिलन में गौरव प्रताप केंद्र के निदेशक श्री अनुराग सक्सेना ने महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े कई प्रेरणादायक प्रसंगों का उल्लेख किया। कार्यक्रम के अंत में प्रार्थना के साथ शाखा विकिर की। इकाई अध्यक्ष श्री मनीष जोशी ने बताया कि ये आयोजन सदस्यों के बीच परस्पर सहयोग और संगठन के उद्देश्यों को साकार करने में सार्थक रहा है। कार्यक्रम में 62 सदस्यों की उपस्थिति रही। □□□

महाकौशल अंचल की दमोह इकाई का गठन संपन्न

एलयूबी मध्यप्रदेश के महाकौशल अंचल की दमोह इकाई का गठन जिला कार्यवाह श्री कमलेश पटेल, जिला प्रचारक श्री भैयन्त्र जी, अंचल अध्यक्ष श्री अनिल वासवानी, श्री नरेंद्र बजाज, श्री सुधीर सिंघई, श्रीमती मनोरमा रतले, श्री मनीष कुमार सिंह सचिव बरगवां अमकुही औद्योगिक क्षेत्र इकाई कटनी की उपस्थिति में किया गया। इकाई में अध्यक्ष श्री सेवंत जैन, सचिव श्री दिलेश चौधरी, उपाध्यक्ष श्रीमती मनोरमा रतले, उपाध्यक्ष श्री चंद्रभान पटेल, संयुक्त सचिव श्री सचिंद्र जैन, कोषाध्यक्ष पंकज अरोड़ा और सह-सचिव का दायित्व श्री गौरव जैन को दिया गया। □□□

ओड़ीसा पूर्वी प्रांत की राऊरकेला इकाई गठित

एलयूबी ओड़ीसा के पूर्वी प्रांत में राऊरकेला इकाई का गठन 2 सितंबर को पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश मित्तल एवं ओड़ीसा के प्रांत प्रचारक श्री शंकर नहाई की उपस्थिति में किया गया। श्री मित्तल ने संगठन के उद्देश्यों और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर प्रकाश डाला। नई टीम में श्री राजेश गर्ग अध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र अग्रवाल और श्री राजकुमार बेहरा उपाध्यक्ष, श्री चंचल साहू सचिव, श्री लोकेश तोदी सह सचिव, सीए राजेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष और श्री संजय मुसद्दी, श्री रोहित गर्ग, श्री राजेंद्र बंसल, श्री राजेश अग्रवाल व श्री नरेश अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य बने।

इस इकाई के गठन से पूरी लोह उत्पादन बेल्ट पर, जिसमें संबलपुर और झारसुगड़ा इकाई भी शामिल है, संगठन का प्रभावी प्रतिनिधित्व हो जाएगा। मंच संचालन श्री श्याम पाटोदिया ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सचिव श्री चंचल साहू ने किया। □□□

कोटा इकाई ने वित्तीय साक्षरता सत्र का किया आयोजन

एलयूबी राजस्थान की कोटा इकाई ने वित्तीय साक्षरता सत्र का आयोजन किया। श्री मुकेश चौधरी ने निवेश की मूल बातें बताई जो मुद्रास्फीति को मात दे सकती हैं। श्री चौधरी का जोर परिसंपत्ति आवंटन और जोखिम प्रबंधन पर रहा। उन्होंने कहा कि हर किसी को लक्ष्य के साथ निवेश करना चाहिए और निवेश नियमित होना चाहिए, मार्च तक फिक्स्ड डिपॉजिट का औसत रिटर्न पिछले 20 वर्षों में 7.70% वार्षिक रहा है, जबकि सोने ने पिछले 25 वर्षों में लगभग 9% वार्षिक रिटर्न दिया है और सेंसेक्स ने शुरुआत से ही 15.80% वार्षिक रिटर्न दिया है। उद्यमियों को व्यवस्थित निवेश योजना म्यूचुअल फंड में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका है। □□□

जोधपुर प्रान्त में विश्वकर्मा जयंती मनाई

एलयूबी जोधपुर प्रान्त में विश्वकर्मा जयंती कार्यक्रम पर श्रमिकों को मास्क का वितरण किया गया। मण्डोर इकाई संरक्षक श्रीमती मंजू

सारस्वत ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा का पूजन किया गया. महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती मोना हरवानी ने जानकारी दी कि जोधपुर प्रांत की पाली, बालोतरा, सिरोही, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ इकाइयों में भी ये कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। □□□

जोधपुर में उद्यमियों की बैंकों से सम्बद्ध समस्याओं पर विशेष सत्र आयोजित

एलयूबी राजस्थान के जोधपुर प्रांत ने उद्यमियों की बैंको से संबंधित विभिन्न योजनाओं, निर्यात संबंधित एवं संबंधित समस्याओं पर विशेष सत्र आयोजित किया। लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने इस अवसर पर कहा कि सूक्ष्म व लघु उद्योगों को ऋण की आवश्यकता करोड़ों की बजाय लाखों में है, बैंक उन्हें प्राथमिकता के साथ ऋण उपलब्ध कराये। इसी प्रकार भारत सरकार ने 5 करोड़ तक के ऋण बिना कोलेटरल के देने का प्रावधान किया है फिर भी बैंक बिना मोरगेज के ऋण उपलब्ध नहीं कराती। उन्होंने बताया कि अगर कोई उद्यमी किसी कारणवश अपने ऋष्ा का भुगतान समय से पहले करके दूसरी बैंक में जाना चाहता है, तो ऐसे उद्यमियों से बैंक भारी राशि वसूल करती है। इसमे छूट प्रदान करनी चाहिए।

रिजर्व बैंक ऑफ़ इण्डिया के लीड डिस्ट्रिस्ट ऑफिसर श्री राजाराम बैरवा ने लघु व सूक्ष्म उद्योगों के लिये आरबीआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जोधपुर प्रांत अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा ने बैंक व उद्यमियों के बीच समन्वय के लिये प्रत्येक तिमाही बैठक के आयोजन पर बल दिया। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र जोधपुर के महाप्रबंधक श्री एसएल पालीवाल, नाबार्ड बैंक के जिला विकास अधिकारी श्री मनीष मण्डा एवं डिस्ट्रिक्ट लीड ऑफिसर श्री श्याम पुरोहित ने भी उद्यमियों की जिज्ञासाओं को दूर किया। □□□

उप्र में विश्वकर्मा जयंती पर श्रमजीवियों का किया सम्मान

एलयूबी उत्तर प्रदेश के आगरा के औद्योगिक क्षेत्र नुनिहाई में लघु उद्योग भारती ने विश्वकर्मा जयंती एवं श्रमजीवी सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मेयर श्रीमती हेमलता दिवाकर, लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष श्री राकेश गर्ग और भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री भानु महाजन ने किया। इस अवसर पर 60 से अधिक श्रमजीवियों को उनके परिश्रम, कर्मठता और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एलयूबी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राकेश गर्ग ने कहा कि किसी भी उद्योग का आधार उसके श्रमजीवी होते हैं। उनके परिश्रम और समर्पण के बिना उद्योग की सफलता संभव नहीं। गौरतलब है कि संगठन ने पिछले 12 वर्षों से आगरा के औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमजीवियों को सम्मानित किया है।

समारोह में एलयूबी प्रदेश उपाध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल, प्रदेश सचिव श्री मनीष अग्रवाल, जिलाध्यक्ष श्री विजय गुप्ता और महासचिव श्री राजीव बंसल, कोषाध्यक्ष संजीव जैन, संयोजक अरविंद शुक्ला, प्रभारी शैलेश अग्रवाल, अभिनव रस्तोगी, अंकुर अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, नवदीप अग्रवाल, वरुण जैन सहित अन्य गणमान्य उद्यमी उपस्थित थे। □□□

जोधपुर में साइबर अपराध व आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

एलयूबी जोधपुर महानगर महिला इकाई ने महिलाओं को सशक्त बनाने और उसमें आत्मविश्वास की भावना पैदा करने के उद्देश्य से साइबर अपराध जागरूकता व आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भवन सभागार में किया गया। महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती मोना हरवानी ने बताया कि प्रशिक्षक श्रीमती मुक्ता माथुर ने महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाये। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण न केवल शारीरिक कौशल को बढ़ाता है बल्कि मानसिक सशक्तिकरण भी प्रदान करता है। प्रशिक्षक श्रीमती शारदा पूनिया ने साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में महिला इकाई उपाध्यक्ष श्रीमती इन्दुबाला अग्रवाल, सह-सचिव श्रीमती इन्दु चोपड़ा, सहित बड़ी संख्या में महिला उद्यमीगण भी उपस्थित रही। आभार सचिव श्रीमती कंचन लोहिया ने ज्ञापित किया। श्रीमती अंजली चेलानी व उनकी टीम का अच्छा सहयोग रहा। □□□

जोधपुर में जीएसटी से संबद्ध कार्यशाला का आयोजन किया

एलयूबी जोधपुर महानगर ने जीएसटी से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया। अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने जीएसटी व्यवहारियों के सामने आ रही विभिन्न कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए इस सीधे संवाद की सराहना की। कार्यक्रम में आयुक्त, सीजीएसटी व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, जोधपुर श्री एस.अनन्ता कृष्णन ने कहा कि कर संग्रहण का वातावरण जितना भयमुक्त हो जाता है, उतनी ही राजस्व में वृद्धि होती जाती है।

आयुक्त सीजीएसटी व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (ऑडिट) श्री राजीव रंजन ने बताया कि यदि विभाग द्वारा ऋटिपूर्ण कार्यवाही या विद्वेषात्मक या नियमों का गलत अर्थ निकालने से कार्यवाही हो जाती है, तो तुरन्त इसकी सूचना लिखित रूप में वरिष्ट अधिकारियों को देनी चाहिए ताकि कार्यवाही की जा सके।

जोधपुर प्रांत अध्यक्ष श्री महावीर चोपड़ा ने जीएसटी प्रक्रियाओं में सरलीकरण, प्रशिक्षण, जीएसटी प्राइवेसी को सुनिश्चित करने एवं

जीएसटी डाटा लीकेज को रोकने की मांग की। राजस्थान स्टेनलेस स्टील री-रोलर्स एसोसिएशन जोधपुर के अध्यक्ष श्री प्रकाश जीरावला, जोधपुर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन अध्यक्ष श्री अनुराग लोहिया व मारवाड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज सचिव श्री माधोसिंह भण्डारी ने जीएसटी के प्रावधानों और समस्याओं को रखा। आयुक्त सीजीएसटी व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (आडिट) श्री राजीव रंजन, श्री महिपाल सिंह एवं डॉ. ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी, अपर सीजीएसटी आयुक्त व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क जोधपुर स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया।

कर सलाहकार व एडवोकेट श्री प्रदीप जैन ने जीएसटी चालान की पद्धति, रिवर्स चार्ज आधार के तहत् कर का भुगतान, निरस्तीकरण आवेदन-पत्र का समयबद्ध तरीके से निस्तारण, धारा 16 (4) के तहत नोटिस व अपील प्रणाली, सूचना प्रणाली, अधिकरण स्तर पर अपील की पूर्व जमा राशि, परिपत्रो के कार्यान्वयन की कार्यक्षमता, एपीएल-02, उल्टे शुल्क संरचना के प्रमाण-पत्र एवं विभाग द्वारा ई-चालान का बार-बार अनुस्मारक इत्यादि बिन्दुओं को रखा।

बैठक में लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अनिल अग्रवाल, प्रान्त उपाध्यक्ष श्री दीपक माथुर, बोरानाडा इकाई अध्यक्ष श्री राजेंद्र सालेचा, सचिव श्री थानाराम चौधरी, श्री गिरीश मेहता जोधपुर महानगर उपाध्यक्ष श्री पंकज भण्डारी, मण्डोर इकाई संरक्षक श्रीमती मंजू सारस्वत, उपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश मुथा, श्री हरिसिह गहलोत, श्री मनीष माहेश्वरी, श्री देवेन्द्र डागा, सीए रोहित जैन, श्री अंकुर अग्रवाल, श्री अशोक पोरवाल, श्री संजय मंगल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव श्री पंकज लोढा एवं प्रान्त संयुक्त महासचिव श्री सुरेश कुमार विश्नोई ने आभार व्यक्त किया। □□□

मंडोर इकाई ने छात्राओं को स्वरोजगार के लिए सिखाई टाई एण्ड डाई प्रिंटिंग

एलयूबी राजस्थान के जोधपुर प्रांत की मण्डोर इकाई ने 7 सितम्बर को कपड़ों पर भारतीय पारंपरिक शिल्प टाई एण्ड डाई प्रिंटिग व पेन्टिग की कार्यशाला का आयोजन किया। इकाई संरक्षक श्रीमती मंजू सारस्वत ने बताया कि छात्राओं को स्वरोजगार व स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से ये कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें डिजाईनिंग के क्षेत्र में संभावनाओं और नवीनतम तकनीक की जानकारी दी गयी।कार्यक्रम में प्रशिक्षक श्रीमती सुमित्रा पुनार ने बताया कि कपड़ों पर सुन्दर पैटर्न बनाने के लिये रंगों को मिलाने की कला को टाई और डाई कहा जाता है। सूती कपड़ों पर रंगों का जीवन्त प्रदर्शन करते हुए बताया कि इसमें प्राकृतिक रंगों का ही प्रयोग किया जाता है। ये कपड़े पर छोटे छोटे बिन्दुओं को लगातार एक धागे से बांधन और रंगने की खूबसूरत राजस्थानी कला है। इस तकनीक से साड़ी, लहरिया, बन्धेज एवं दुपट्टा पर प्रिंटिग की जाती है। कार्यक्रम में छात्राओं को मिट्टी के गणेश बनाना भी सिखाया गया। □□□

खनन उत्पाद समूह की प्रथम बैठक में हुआ मंथन

लघु उद्योग भारती के खनन उत्पाद समूह की प्रथम बैठक 7 सितम्बर को जयपुर स्थित प्रदेश कार्यालय सेवा सदन में की गई। बैठक में राजस्थान प्रदेश में खनिज आधारित उद्योग ज्यादा से ज्यादा कैसे स्थापित हो, उनका मूल्यवर्धन कैसे हो, इस हेतु विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने पर चर्चा की गयी। अखिल भारतीय संगठन महामंत्री श्री प्रकाशचंद्र जी ने कहा कि खनिज की प्रचुर उपलब्धता के कारण राजस्थान देशभर में अलग स्थान रखता है। अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा ने बताया कि खनन क्षेत्र की अपार संभावनाओं के साथ आने वाली समस्याओं के निराकरण पर भी सार्थक चर्चा की गयी।खनन उत्पाद समूह के सदस्य व मण्डोर इकाई अध्यक्ष श्री पूनमचन्द्र तंवर ने खानधारकों की ईसी की प्रक्रिया के सरलीकरण, क्वारी लाइसेंस धारकों को सभी श्रेणियों में हस्तांतरण की अनुमति प्रदान करने, पूरे प्रदेश में रॉयल्टी की दर समान करने, पर्यावरण संरक्षण के लिये खनन क्षेत्रों में इको सिस्टम लागू करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों को रखा।

बैठक में खनन विभाग के रिटायर्ड अतिरिक्त निदेशक श्री बीएस ढाका ने राज्य सरकार के खनन के नियमों व प्रावधानों में सकारात्मक परिवर्तन के लिये नीतिगत सुझाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने खनन क्षेत्र के राजस्व रिकार्ड में इंद्राज करवाना, पुराने आवंटित पट्टों के नाप प्रणाली में सुधार कर नये सिरे से पट्टों का नाप लेने आदि विषयों पर सारगर्भित जानकारी प्रदान की। जोधपुर प्रांत कार्यकारिणी सदस्य श्री अशोक गहलोत ने खनन क्षेत्रों में खनन समाप्त होने के पश्चात् उद्योग लगाने की अनुमति प्रदान करने, टीपी को समाप्त करने, खनन क्षेत्रों में वर्षा जल संरक्षण व खानों में पत्थर रखने की जगह के नियमन इत्यादि विषयों पर चर्चा की। बैठक में खनन उत्पाद समूह के संयोजक श्री मुकेश अग्रवाल, जयपुर प्रांत अध्यक्ष श्री सुधीर गर्ग, महामंत्री सुश्री सुनिता शर्मा, श्री अजय खंडेलवाल, श्री बालकिशन परिहार उपस्थित रहे। □□□

गांधीधाम में एमएसएमई सेमिनार किया आयोजित

एलयूबी गुजरात की गांधीधाम इकाई ने कांडला टिंबर संगठन और ICAI के साथ मिलकर 17 सितम्बर को एमएसएमई यूनिट को सरकार की ओर से दी जाने वाली स्कीम सब्सिडी के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए एक सेमिनार आयोजित किया। इसकी विस्तृत जानकारी SIDBI के एजीएम श्री असीम बैद्य ने दी।

□□□

LUB's Tamil Nadu Team led by National General Secretary Shri OP Gupta met Union Minister of Railways Shri Ashwini Vaishnav for Chennai Flood Relief on 3rd Sept. 2024.

Union Minister of MSMEs Shri Jeetan Ram Manjhi Inaugurated a 3 Day Exhibition on PM Vishwakarma Scheme conducted by MSME DFO Patna on 14th Sept. 2024.

LUB's Moradabad Unit met Chief Minister, Uttar Pradesh Shri Yogi Adityanath and Discussed Problems & Prospects of Regional Industry.

LUB's J&K Delegation led by State President Shri Parveen Pargal met LG Shri Manoj Sinha to Discuss Crucial Issues of Industrial Sector on 3rd Sept. 2024.

LUB's Pharma Team Head Shri Rajesh Gupta Discussed Proposed SME Policy with Minister for Industries, Telangana Shri D. Sridhar Babu in 10th Pharma Pro & Pack Expo organised by Indian Pharma Machinery Manufacturers' Association at Hyderabad on 26-28 Sept. 2024.

LUB's Gujarat Regional Conclave was conducted in presence of Chief Minister Shri Bhupendra Patel, National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji, National President Shri Ghanshyam Ojha, Former National President Shri Baldevbhai Prajapati at Baroda on 29th Sept. 2024.

LUB's Haridwar Unit of Uttarakhand State conducted MSME Outreach Program & Interactive Session in association with Central Pollution Control Board.

6th Women Unit of Jaipur Anchal (Rajasthan State) was Formed in the presence of National Org. Secretary Shri Prakash Chandra ji at Sikar on 11th Sept. 2024.

LUB's Jharkhand Executive Meeting held in presence of Former National President Shri OP Mittal, National Secretary Shri Inder Agarwal & State President Shri Vijay Chhaparia at Chamber Bhawan, Ranchi on 30th Sept. 2024.

UDYOG TIMES | OFFICIAL PUBLICATION OF LAGHU UDYOG BHARATI | 30 September, 2024 | Registration No. RAGBIL/2016/69093 Postal Reg. No. : Jaipur City/433/2020-22

An In House Monthly Magazine of Laghu Udhog Bharti, Published by Om Prakash Mittal Printed at RAJ BLOCKS, B-81, Road No. 4, 22 Godown Industrial Area Kartapura, JAIPUR-302019